RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 163 ● भिलाई, शुक्रवार 02 जनवरी 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

पंजाब में कड़ाके की ठंड के चलते बढ़ी स्कूलों की छुट्टियां

चंडीगढ़। पंजाब में बढ़ते सर्दी और घने कोहरे के असर को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी स्कूलों की छुट्टियां बढ़ाने का फैसला किया है। अब प्रदेश के सभी सरकारी, एडिड, मान्यता प्राप्त और निजी स्कूल 8 जनवरी को दोबारा खुलेंगे। यह घोषणा शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने की है। शिक्षा मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत बच्चों और स्कूल स्टाफ की सेहत व सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने लिखा कि प्रदेश में लगातार बढ़ रहे कोहरे और ठंड को देखते हुए 7 जनवरी तक सभी स्कूलों में अवकाश रहेगा और 8 जनवरी से नियमित कक्षाएं शुरू होंगी। पंजाब में वर्तमान में 19 हजार से ज्यादा सरकारी स्कूल संचालित हैं, जिनमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। मौसम विभाग पहले ही चेतावनी दे चुका है कि 1 जनवरी के बाद ठंड और बढ़ सकती है, ऐसे में शिक्षा विभाग किसी भी तरह का जोखिम नहीं उठाना चाहता। शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि बढ़ाई गई छुट्टियां वार्षिक अकादमिक कैलेंडर का हिस्सा हैं।

खड़े ट्रेलर में लगी आग, जिंदा जला तीन साल का मासूम, परिवार में पसरा मातम

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में आज एक बड़ा हादसा हुआ, जहां खड़े ट्रेलर में आग लगने से 3 साल के मासूम की जलकर मौत हो गई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है और मर्ग कायम कर घटना की जांच शुरू कर दी है। यह मामला रतनपुर के सांधी पारा का है। घटना के बाद परिवार में मातम पसर गया है। जानकारी के मुताबिक खड़े ट्रेलर सीजी 10-9291 की सीट पर बालक अनमोल यादव सो रहा था। इस दौरान ट्रेलर के इंजन में आग लग गई। इस हादसे में मासूम अनमोल की मौके पर ही जलकर मौत हो गई। बताया जा रहा कि पिता संजय यादव पेशे से ड्राइवर है। शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बंगाल में कड़ाके की ठंड, महानगर में आज सबसे सर्द दिन

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में वर्ष 2025 के आखिरी दिन कड़ाके की ठण्ड के साथ ही महानगर का पारा 11 पर आ गया और आज इस साल अबतक का सबसे सर्द दिन रिकॉर्ड दर्ज हुआ। आज सुबह महानगर कोलकाता का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिसने इस सीजन के पिछले सभी रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। महानगर के साथ-साथ समूचा राज्य वर्तमान में हाड़ कंपाने वाली ठंड की चपेट में है। उत्तर से दक्षिण बंगाल तक शीत लहर का प्रभाव देखा जा रहा है। संदकफू में तापमान शून्य से नीचे (-) पांच डिग्री सेल्सियस तक गिर गया है, जबकि दार्जिलिंग तीन डिग्री सेल्सियस पर कांप रहा है। दक्षिण बंगाल के पुरुलिया और बांकुड़ा जिलों में भी पारा सात से आठ डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है।

स्विटजरलैंड में नए साल का जश्न मातम में बदला?

अब तक 40 लोगों की मौत..ब्लास्ट की वजह आई सामने

स्विट्जरलैंड/ एजेंसी

स्विट्जरलैंड के प्रतिष्ठित और लग्जरी स्की रिसॉर्ट शहर क्रांस-मोंटाना में नए साल की सुबह एक भीषण धमाका हुआ। इस हादसे में अब तक करीब 40 लोगों की मौत की खबर है, जबकि कई अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। दक्षिण-पश्चिमी स्विट्जरलैंड के वालेस कैंटन पुलिस के प्रवक्ता गाएतान लाथियों के अनुसार, मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। धमाके के तुरंत बाद पुलिस और आपातकालीन सेवाओं की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है और सुरक्षा के मद्देनजर पूरे इलाके को घेराबंदी में लेकर जांच जारी है। पुलिस के मुताबिक, धमाका उस समय हुआ जब रिसॉर्ट में नए साल का जश्न चल रहा था। यह विस्फोट देर रात करीब डेढ़ बजे हुआ, जब लोग पार्टी में शामिल थे। फ्लाइटराडार के अनुसार, एक रेगा हेलीकॉप्टर को दुर्घटनास्थल पर उतरते हुए देखा गया है। सोशल मीडिया पर सामने आ रही जानकारी के मुताबिक, यह विस्फोट एक संगीत कार्यक्रम के दौरान हुआ। कुछ अपुष्ट रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि हादसे में आतिशबाजी का इस्तेमाल कारण हो सकता है, हालांकि पुलिस ने इन दावों की अभी पुष्टि नहीं की है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि विस्फोट के वक्त बार के अंदर 100 से अधिक लोग मौजूद थे। आरटीएस की रिपोर्ट के

अनुसार, धमाका बार के तहखाने में हुआ। बार की कुल क्षमता करीब 400 लोगों की थी। स्थानीय रेडियो स्टेशन रोनएफएम के मुताबिक, आतिशबाजी के संचालन में हुई चूक इस त्रासदी की वजह हो सकती है। कई लोगों ने इसकी पुष्टि स्टेशन से की है। मृतकों की संख्या काफी ज्यादा होने की आशंका जताई जा रही है। रोनएफएम का कहना है कि संभवतः कई दर्जन लोगों की जान गई है, जबकि स्थानीय न्यूज आउटलेट ब्लिक के मुताबिक, करीब 40 लोगों की मौत हुई है। जहां यह घटना हुई है, वह क्रांस मोंटाना इलाका स्विट्जरलैंड का एक प्रसिद्ध और बेहद लग्जरी हिल स्टेशन माना जाता है। यह देश के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित वालेस कैंटन में है और खासतौर पर अपने स्की रिसॉर्ट्स, मनमोहक नजारों और हाई-एंड लाइफस्टाइल के लिए जाना जाता है। क्रांस मोंटाना समुद्र तल से करीब 1,500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है और यहां से ऐल्प्स पर्वत श्रृंखला के शानदार दृश्य नजर आते हैं। क्रांस मोंटाना में हुए विस्फोट की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गईं। घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। सुरक्षा कारणों से विस्फोट वाली जगह और उसके आसपास के इलाके को सील कर दिया गया है। क्रांस मोंटाना, जो कि एक लोकप्रिय और महंगा स्की रिसॉर्ट है।

न्यू ईयर पर भूकंप के झटकों से दहला कश्मीर दहशत में घर से भागे लोग, मची अफरा-तफरी

1 जनवरी 2026 की सुबह कश्मीर में भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया। लोग अचानक अपने घरों से बाहर भागने लगे और काफी देर तक दहशत में रहे। भूकंप के कारण कुछ समय के लिए सड़कों पर भी अफरा-तफरी मच गई।कश्मीर घाटी और हिमाचल प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों में दहशत फैल गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (ह्ष्टस्) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ये झटके 1 जनवरी 2026 को सुबह 04:42 बजे महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.0 दर्ज की गई है। इसका केंद्र हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में था जो जमीन की सतह से 5 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। भले ही तीव्रता कम थी, लेकिन सुबह के सन्नाटे में महसूस हुए इन झटकों ने लोगों को डरा दिया।

राहुल गांधी की भगवान राम से तुलना

यह करोड़ों हिंदुओं का घोर अपमान-भाजपा..

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता नाना पटोले द्वारा राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से किए जाने पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है, जिसे भाजपा ने हिंदू भावनाओं का घोर अपमान बताया है। भाजपा प्रवक्ता सीआर केसवन ने पटोले की टिप्पणी की निंदा करते हुए सवाल किया कि राहुल गांधी अभी तक अयोध्या राम मंदिर क्यों नहीं गए, जबकि पटोले ने अपने बयान का बचाव करते हुए कहा कि राहुल भी भगवान राम की तरह न्याय के लिए लड़ रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता सीआर केशवन ने गुरुवार को महाराष्ट्र कांग्रेस विधायक नाना पाटोले की लोकसभा विपक्ष के नेता राहुल

गांधी और भगवान राम की तुलना करने वाली टिप्पणी को हिंदू भावनाओं का घोर अपमान बताया। नाना पाटोले ने कहा कि राहुल गांधी न्याय के लिए लड़ रहे हैं, ठीक वैसे ही जैसे भगवान राम ने पीड़ितों के लिए काम किया।

सेना ने पाक की नापाक साजिश को किया नाकाम

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में आईईडी और गोला-बारूद से भरा बैग बरामद,ऑपरेशन जारी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने पूरी सतर्कता बरती हुई है, क्योंकि नए साल 2026 की शुरुआत के साथ ही पाकिस्तान ने अपनी नापाक गतिविधियां फिर से शुरू कर दी हैं। पुंछ जिले के नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी ड्रोन की गतिविधि देखी गई। सुरक्षा बलों को खारी सेक्टर में एक संदिग्ध ड्रोन के बारे में सूचना मिली, जो कुछ सामान गिरा सकता था। जम्मू-कश्मीर में शांति बनाए रखने के लिए सुरक्षा बल लगातार प्रयास कर रहे हैं। ड्रोन की पहचान होने के बाद भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और एसओजी की टीमों ने आसपास के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चलाया। सुरक्षा बलों को संदेह था कि यह ड्रोन पाकिस्तान से भेजा गया हो सकता है, जिसका उद्देश्य निगरानी रखना या कुछ सामान गिराना हो सकता है। साल के पहले ही दिन एक पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय क्षेत्र पुंछ के खादी करमाडा इलाके में घुस गया और पांच मिनट से अधिक समय तक भारतीय क्षेत्र में रहा। सुरक्षा बलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध बैग बरामद किया। जांच के दौरान यह शक सही साबित हुआ, और ड्रोन द्वारा गिराए गए आईईडी और गोला-बारूद को

बरामद किया गया। यह संभावना जताई जा रही है कि पाकिस्तान ने नए साल के मौके पर जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले की योजना बनाई थी। हालांकि भारतीय सेना की मुस्तैद ने पाकिस्तान की आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया है। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी को और बढ़ा दिया है। सेना ने उधमपुर जिले में भी आतंकवाद विरोधी अभियान तेज कर दिया गया है। पंजियन तालाब इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद, इलाके में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। सूत्रों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकी कई दिनों से इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। एसएसपी उधमपुर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर डेरा डाले हुए हैं। पिछले साल 31 दिसंबर 2025 को एसएसपी उधमपुर, अशोक अमोद नागपुरे ने कहा था कि तीन आतंकी क्षेत्र में सक्रिय हैं और ऑपरेशन जारी है। सुरक्षा बलों ने इस अभियान को लगातार मजबूत किया है और जल्द ही आतंकियों को नष्ट कर दिया जाएगा।

गुवाहाटी-कोलकाता होगा पहला रूट

नएसाल पर पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का तोहफा मिला

नई दिल्ली/ एजेंसी

नए साल के मौके पर मोदी सरकार ने देशवासियों को एक बड़ा तोहफा दिया है। रेल मंत्रालय ने देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के रूट का ऐलान कर दिया है। यह देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलेगी। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही इसका औपचारिक ऐलान करने वाले हैं। इसकी जानकारी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी है। हाल ही में स्वदेशी तकनीक से निर्मित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का भारतीय रेलवे ने अंतिम हाई-स्पीड ट्रायल

सफलतापूर्वक पूरा किया था। यह ट्रायल कोटाङ्कनागदा सेक्शन पर किया गया, जहां ट्रेन ने 180 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार हासिल की। यह परीक्षण रेलवे सुरक्षा आयुक्त की निगरानी में संपन्न हुआ। यह ट्रेन कोलकाता से गुवाहाटी के बीच चलेगी और पूरे पश्चिम बंगाल व असम को कवर करेगी। ट्रेन में कुल 16 कोच होंगे। इनमें 11 थर्ड एसी, 4 सेकंड एसी और 1 फर्स्ट एसी कोच शामिल रहेगा। इस ट्रेन में कुल 823 यात्री सफर कर सकेंगे। यह एक सेमी हाई-स्पीड ट्रेन है, जिसकी डिजाइन स्पीड 180 किलोमीटर प्रति घंटे तक की है। लंबी दूरी के सफर को आरामदायक बनाने के लिए इसमें मुलायम और सुविधाजनक बर्थ दी गई हैं। कोचों के बीच आने-जाने के लिए ऑटोमैटिक दरवाजे और वेस्टीब्यूल की सुविधा मौजूद है।

आईपीएल 2026 में पंजाब किंग्स में अभिषेक यादव को मिली जगह

कोलकाता। आईपीएल 2026 के लिए पंजाब किंग्स टीम में अभिषेक यादव को जगह मिली हा। यह उपलब्धि न सिर्फ अभिषेक के लिए ही नहीं बिहार के लिए गर्व का विषय है। उल्लेखनीय है कि अभिषेक यादव बिहार के गोपालगंज जिले के निवासी हैं। कम उम्र में ही उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर आईपीएल जैसी प्रतिष्ठित लीग में पंजाब किंग्स की टीम में स्थान प्राप्त किया है। बतौर गेंदबाज, अभिषेक ने लगातार बेहतर प्रदर्शन करते हुए यह मुकाम हासिल किया है। अभिषेक यादव की इस सफलता में उनके सेंसई ङ्क मोहम्मद इमरान का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

एआई चैलेंज का शुभारंभ किया राष्ट्रपति ने

परिवर्तन लाने का शक्तिशाली अवसर कृत्रिम बुद्धिमत्ता:मुर्मू

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को एआई चैलेंज का शुभारंभ किया। इसके साथ ही राष्ट्रपति मुर्मू ने ओडिशा के रायरांगपुर में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र और कौशल केंद्र का वर्चुअल उद्घाटन किया। उन्होंने भारत के भविष्य के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की परिवर्तनकारी क्षमता पर जोर दिया। राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक समारोह में बोलते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता विश्व भर की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को

नया आकार दे रही है, जिससे लोगों के सीखने, काम करने और आधुनिक सेवाओं तक पहुंचने के तरीके प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे युवा देश के लिए, एआई केवल एक तकनीक नहीं बल्कि सकारात्मक और समावेशी परिवर्तन लाने का एक शक्तिशाली अवसर है। उभरती प्रौद्योगिकियों की ओर से आकार दिए जा रहे भविष्य के लिए छात्रों को तैयार देखकर खुशी जताते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने उनसे अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग समाज की सेवा करने, चुनौतियों का समाधान करने और दूसरों को सशक्त बनाने के लिए करने का आग्रह किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने एआई लर्निंग मॉड्यूल पूरा करने वाले सांसदों की भी सराहना की । और कहा कि उनके प्रयास निरंतर सीखने के माध्यम से नेतृत्व को दर्शाते हैं।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री शेखावत ने किया ऐतिहासिक सिरपुर के पुरातात्विक स्थलों का निरीक्षण

पुरातत्व स्थलों को संरक्षित और संवर्धित किया जाएगा-शेखावत

■ सिरपुर आकर गौरव की अनुभूति हो रही है-शेखावत

रायपुर/ संवाददाता

भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत आज जिला महासमुंद अंतर्गत स्थित ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर के दौरे पर रहे। इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल भी उनके साथ उपस्थित रहे। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री शेखावत का सिरपुर हेलीपैड पर सांसद महासमुंद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक महासमुंद श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक श्री प्रभास कुमार एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर पहुंचे, जहाँ उन्होंने लक्ष्मण देवालय, आनंद प्रभु कुटी विहार, तीवरदेव विहार, सुरंग टीला एवं स्थानीय हाट बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने सिरपुर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिरपुर भारत की प्राचीन धरोहर का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की आवश्यकता है। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों की प्रगति की

जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुरातात्विक स्थलों की मूल संरचना को सुरक्षित रखते हुए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाए। उन्होंने पर्यटकों की सुविधा के लिए बेहतर सड़क, साइन बोर्ड, सूचना केंद्र, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सिरपुर में कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया जाएगा जिससे पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यहां आकर गौरव की अनुभूति हो रही है। सिरपुर को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल करने प्रयास जारी है। यहां की ऐतिहासिक, पुरातत्विक और आध्यात्मिक नगरी हमारे समृद्ध संस्कृति और परम्परा का प्रतीक है। इसके संरक्षण और संवर्धन का कार्य किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विहारों और मंदिरों के अवशेषों की वर्तमान स्थिति को सहजने और संरक्षित करने पर ज्यादा जोर दिया। इस अवसर पर उन्होंने गंधेश्वर मंदिर पहुंचकर गंधेश्वर महादेव का पूजा अर्चना कर देश के समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, धर्मस्व एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक श्री योगेश्वर राजू सिन्हा, राज्य बीज निगम अध्यक्ष श्री चंद्रहास चंद्राकर।

विश्व धरोहर में शामिल कराने के प्रयास और कनेक्टिविटी पर जोर

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सिरपुर में कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यहां आकर गौरव की अनुभूति हो रही है और सिरपुर को विश्व धरोहर में शामिल कराने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह ऐतिहासिक, पुरातात्विक और आध्यात्मिक नगरी हमारे समृद्ध संस्कृति और परंपरा का प्रतीक है, जिसके संरक्षण और संवर्धन का कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर उन्होंने गंधेश्वर मंदिर पहुंचकर गंधेश्वर महादेव की पूजा-अर्चना भी की।

माँ बमलेश्वरी के प्रांगण में हिन्दुओं ने दिखाया एकता का परिचय

हमारे गुरुओं ने हिन्दू समाज के लिए अपने प्राणों की आहुति दी : श्याम जग्यासी

धमतरी। बस्ती बस्ती गली मोहल्लों के हिन्दू समाज को अपने धर्म के प्रति जागरूक रहने एवं एकत्रित करने के लिये ब्राह्मण पारा, कोष्टापारा, जालमपुर वार्ड के हिन्दुओं ने हिन्दू समाज को जगाने विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन माँ बमलेश्वरी प्रांगण ब्राह्मण पारा में किया गया जिसमे हिन्दू समाज ने एकत्रित होकर एकता का परिचय दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री रामचंद्र जी की पूजा अर्चना एवं स्तुति का गायन करके किया गया। अध्यक्षता कर रहे श्याम जग्यासी ने कहा हमारे गुरुओं ने हिन्दू समाज के लिये अपने प्राणो की आहुति दी है। महिला वक्ता निर्मला तिवारी ने कहा पंच परिवर्तन कोई नारा नहीं यह मानव जीवन का आधार स्तम्भ है। संघ प्रचारक विश्वनाथ बोगी ने कहा आरएसएस निरंतर 100 वर्षो से हिन्दू समाज का रक्षा कवच बन कर कार्य कर रहा है। पहली बार धमतरी पधारे बालयोगेश्वर बालकदास संत ने उद्घोष किया की भारत हिन्दू राष्ट्र था, है एवं भविष्य में रहेगा। कार्यक्रम का संचालन अजित साहू एवं आभार नगर संघ चालक रामलखन गजेंद्र ने किया। हिन्दू सम्मेलन में मातृशक्तियों ने मोर्चा अपने हाथ में ले रखा था जिनमे शांति शर्मा, लता दुबे, गौरी शर्मा, रत्ना तिवारी, अनामिका साहू, स्वाति शर्मा, अन्नपूर्णा तिवारी, मंजू तिवारी, कौशलेश्वरी दुबे, सकुंतला सेन, तुलेश्वरी रजक, श्रद्धा गुप्ता, सेवती निर्मलकर, सावित्री नामदेव सहित अन्य माताए, बहने उपस्थित थी। स'जन शक्ति से डॉ एन पी गुप्ता, सनत शर्मा, बालकृष्ण तिवारी, अवधेश पांडे, यादवेंद्र दीवान, अशोक तिवारी, बसंत तिवारी, अशोक बुधवानी, मुकेश जैन, प्रकाश गोलछा, महेश शर्मा, रविप्रकाश गुप्ता, किशन सोनी, रामस्वरूप कुम्भकार, हरिलाल यादव, सुदर्शन गुप्ता, भगवाना पंजवानी, यादराम सेन, स्वरूपचंद जैन, जगदीश कुम्भकार, शिवाजी साहू, नरेश सोनकर, मुरली दुबे, दिनु कुम्भकार, कमलेश तिवारी, राजा श्रीवास्तव, मुकेश पवार, अतुल तिवारी, रमेश सोनी, फिरोज हिरवानी, धीरज डागा, भुवन निर्मलकर, मनोज डागा, संतोष सार्वा, दिनेश दुबे, संतोष साहू, सुनील शर्मा, सुभाष रजक, छबिन्द्र सोनी, राजा तिवारी, राजेश कौशिक, प्रदीप साहू, कर्मा टेंट, रमेश यादव, संदीप दुबे, विकेंद्र गुप्ता, राकेश दुबे, मन्नू नामदेव, मनोज सोनी, प्रकाश नामदेव, कुशाल बावने, संदीप फरीकर, हर्ष, पवन सोनकर, जित्तू डागा सहित अन्य बंधु गण सम्मिलित हुए। हिन्दू सम्मेलन समिति के सदस्यों से शिवनारायण छांटा, नील पटेल, राजू सोनकर, देवेंद्र देवांगन, योगेश साहू, नितेश कुम्भकार, राजेंद्र पटेल, खिलेश कुम्भकार, मोटू कुम्भकार, भूपेश लोधी, अकाश निर्मलकर, चंद्रकला पटेल, प्रतिमा सोनी, रुखमनी सोनकर, ममता सोनकर, जानकी सार्वा, संतोष सोनकर पार्षद, संजय देवांगन पार्षद, कोमल सार्वा पार्षद, अमित साहू, राजा रिगरी, अंकित दुबे, अक्षित डागा, कुंदन कुम्भकार, साकेत यादव, भूपेश लोधी, देवेश साहू, आकृति शर्मा, नम्रता साहू, रुद्रीका तिवारी, पायल दुबे, स्नेहा सोनी, दिशा सार्वा, श्रेया गुप्ता, ऋतू सोनी, खुशी दुबे, जया दुबे, प्रांजल नामदेव, अक्षय सोनी, सोमेश दुबे, गगन सार्वा, आदर्श दुबे, कनिष्क तिवारी, हिमांशु निर्मलकर, यश रजक, नैतिक नामदेव सहित अन्य सदस्यों ने तीनो वार्डवासियो एवं हिन्दू समाज, प्रेस मिडिया, पुलिस प्रशासन, निगम प्रशासन एवं प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष जिन्होंने भी इस हिन्दू सम्मेलन में सहयोग किया सबका हृदय से आभार व्यक्त किया है।

अध्यात्म सम्मेलन-सदगुरु कबीर स्मृति महोत्सव 4 जनवरी को रायपुर में

धमतरी। छत्तीसगढ़ संत संगठन सदगुरु कबीर विश्व शांति मिशन के तत्वाधान में रायपुर मेकाहारा ऑडिटोरियम में अध्यात्म सम्मेलन कबीर स्मृति महोत्सव का आयोजन 4 जनवरी 2026 को 11 से × बजे किया जा रहा है। उक्त कार्यक्रम में संत गुरुभूषण साहेब सूरत गुजरात, आचार्य मंगल साहेब कबीर मठ नादिया, महंत रामसुंदर दास दूधाधारी मठ, संत राम बालक दास पाटेश्वर धाम से, साध्वी चंद्रकला साहब, साध्वी भूवन 'योति साहेब, साध्वी समष्टि, साध्वी समता व दामाखेड़ा दयानाम साहेब परंपरा प्रतिनिधि संत, जागू साहब परंपरा प्रतिनिधि संत के साथ-साथ सदगुरु कबीर विश्व शांति मिशन से संत साध्वी 200 से अधिक संख्या में पधारेंगे। उक्त कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति देंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा करेंगे। आत्मीय अतिथि के रूप में श्याम बिहारी जायसवाल स्वास्थ्य मंत्री, रूपनारायण सिन्हा अध्यक्ष योग आयोग कैबिनेट मंत्री दर्जा, लोकेश कांवरिया अध्यक्ष निशक्तजन आयोग, अशोक बजाज पूर्व अध्यक्ष भंडार गृह निगम, मीनल चौबे महापौर रायपुर होंगे। भजन प्रस्तुति पद्मश्री भारती बंधु कबीर भजन की प्रस्तुति देंगे। साथ ही डॉक्टर सुरेश ठाकुर सूफी भजन की प्रस्तुति देंगे।

कार्यक्रम अध्यात्म सम्मेलन, कबीर विचार गोष्ठी एवं भजन के रूप में संचालित होगा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप पज्ववलित कर किया जाएगा और समापन संतो की आरती गुरु पूजा के साथ भोजन भंडारा। कार्यक्रम की तैयारी के लिए रविवार को साहू भवन टिकरापारा रायपुर में मीटिंग की गई जिसमें कार्यक्रम के सफलता हेतु कार्य योजना बनाया गया। इस कार्यक्रम में सहयोगी संस्था के रूप में आमीन माता महिला मंडल कबीर सत्संग समिति, कबीर पंथी साहू समाज छत्तीसगढ़, युवा संस्था रायपुर, युवा कबीर सैनिक सेवार्थी संघ, कबीर पारख समिति रायपुर, दयानाम साहेब समिति, मानिकपुरी समाज, साहू समाज छत्तीसगढ़ शामिल है। उपरोक्त आयोजन कबीर पंथ के सभी धारा दामाखेड़ा, खरसिया, पारख सिद्धांत, जागु साहब, नादवंश परंपरा के साथ.साथ सभी परंपरा का संयुक्त आयोजन है इसमें सभी परंपरा के संत भक्त अपनी उपस्थिति प्रदान करेंगे। छत्तीसगढ़ संत संगठन के अध्यक्ष संत रविकर साहेब ने लोगो को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित के लिए अपील किए हैं।

मुख्यमंत्री सिरकट्टी में 7 जनवरी को करेंगे नवनिर्मित श्रीरामजानकी मंदिर में धर्मध्वजा की स्थापना

गरियाबंद। चतुर्भुज सिरकट्टी पावन धाम स्थित नव निर्मित भव्य श्रीरामजानकी मंदिर में 51 कुंडीय श्रीराम चरित मानस महायज्ञ का भव्य आयोजन 6 से 12 जनवरी तक किया जा रहा है। इसी क्रम में 7 जनवरी को दोपहर 12 बजे धर्मध्वजा स्थापना एवं कलश पूजन का पावन कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर नवनिर्मित मंदिर में धर्मध्वज की स्थापना करेंगे। कलेक्टर बीएस उईके, जिला पंचायत सीईओ प्रखर चंद्राकर, पुलिस अधीक्षक वेद व्रत सिरमौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र चंद्राकर, एसडीपीओ सुनिशा सिंहा जी ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया इस दौरान पार्किंग व्यवस्था, हेलीपेड निर्माण स्थल निरीक्षण एवं चयन, मेले की तैयारी,सुरक्षात्मक दृष्टि से दुकानों का आबंटन, आगंतुकों के आवाजाही का नियंत्रण, भंडारा, गौशाला सहित मंचीय स्थल का जायजा लिया । यह मंदिर हजारों श्रद्धालुओं के दान दाताओं के फल स्वरूप 10 सालों में निर्मित हुई है जो कि अयोध्या के राम मंदिर के तर्ज पर बनाया गया है जिसमें लगभग 9 करोड़ रु की लागत से राजस्थान के कारीगर तैयार किए है।

इस धार्मिक अनुष्ठान में अनेक आमंत्रित संत-महापुरुषों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी, जिनमें संत 108 रामगोपाल दास महाराज (देवरघटा, शिवरीनारायण), पूज्य संत 108 महंत सरजू शरण महाराज (राघवेन्द्र आश्रम, अयोध्या), पूज्य संत रामनारायण शरण महाराज (अयोध्या) तथा पूज्य संत उदयनाथ बाबा महाराज (कांडशर आश्रम, देवभोग) प्रमुख हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपमुख्यमंत्री अरुण साव करेंगे। वहीं आत्मीय अतिथि के रूप में मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, महासमुंद लोकसभा सांसद रूपकुमारी चौधरी, राजिम विधायक रोहित साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष गौरीशंकर कश्यप सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। आयोजनकर्ता एवं आश्रम के मुख्य पीठाधीश महामण्डलेश्वर संत गोवर्धन शरण व्यास, महंत सिरकट्टी आश्रम कुटेना एवं आश्रम परिवार हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से इस पावन अवसर पर सपरिवार उपस्थित होकर धर्मलाभ ले सकते है।

शीत लहर से लोगों का हाल बेहाल वर्ष के अंतिम दिनों में सर्दी बढ़ा रही सितम

आगामी दिनों में भी जारी रहेगा ठंडी का दौर

सरायपाली। शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण व वनांचल इलाकों तक लगातार बढ़ रही ठंड लोगों पर करी भारी पड़ती जा रही है। ठंड के साथ अब शीतलहर का असर भी बढ़ने लगा है, जिससे आमजन की परेशानियां और अधिक बढ़ गई हैं। दिसंबर माह के अंतिम दिनों में क्षेत्र भर में कड़ाके की ठंड का कहर साफ तौर पर देखा जा रहा है। हालात ऐसे हैं कि लोग केवल रात में ही नहीं, बल्कि दिन के समय भी गर्म कपड़े पहनने को मजबूर हैं। मंगलवार की अलसुबह इतना घना कोहरा छाया रहा जो दूर तक के वाहन नजर नहीं आ रहे थे। रात के समय आसमान से गिरने वाली ओस सुबह तक जमीन पर जमी हुई दिखाई दे रही है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इलाके में तापमान कितना नीचे चला गया है। ऐसे हालात में ही ग्रामोणों, वनवासियों के साथ पशु-पक्षियों के लिए भी ठंड बड़ी चुनौती बन गई है। वनांचल क्षेत्रों के अलावा शहरी और मैदानी इलाकों में भी ठंड का असर कम नहीं हुआ है। सूर्योदय से पहले और शाम को सूर्यास्त के बाद कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है। घना कोहरा और ठंडी हवाएं लोगों की दिनचयां को प्रभावित कर रही हैं। सुबह के समय लोग अलाव का सहारा लेते नजर आ रहे हैं, वहीं बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भी ठंड से बचाव के लिए अलाव के इंतजाम नगर पालिका द्वारा किया जाना चाहिए।

कड़ाके की ठंड का सेहत पर भी असर

अत्यधिक ठंड के कारण सदर्दी, जुकाम, खांसी, बुखार, सिरदर्द तथा हाथ-पैरों में दर्द जैसी शिकायतों में इजाफा हुआ है। खासकर बच्चे, बुजुर्ग और पहले से बीमार लोग ठंड से अधिक प्रभावित हो रहे हैं। अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में ऐसे मरीजों को संख्या बढ़ रही है। चिकित्सकों और स्वास्थ्य विभाग द्वारा लोगों को ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने की सलाह दी जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि गर्म कपड़े पहनें, ठंडे पानी और ठंडी हवा से बचें, गरम पेय पदार्थों का सेवन करें तथा जरूरत पड़ने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें। मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल ठंड से राहत मिलने के आसार कम हैं, ऐसे में लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

गायत्री महायज्ञ का भव्य आगाज़, 1008 कलशों की शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

सरायपाली। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में तथा गायत्री परिवार द्वारा आयोजित विराट 51 कुंडीय राष्ट्र शौर्य समृद्धि गायत्री महायज्ञ एवं 700 गर्भवती बहनों के विशाल गर्भोत्सव कार्यक्रम के निमित्त आज नगर में भव्य जल कलश शोभायात्रा निकाली गई। इस ऐतिहासिक आयोजन में प्रांत प्रमुख सरला कोसरिया विशेष रूप से सम्मिलित हुई। शोभायात्रा में सरायपाली क्षेत्र की बहनों द्वारा 1008 कलश धारण कर श्रद्धा और भक्ति के साथ नगर भ्रमण किया गया। कलश यात्रा कार्यक्रम स्थल नई मंडी से प्रारंभ होकर पुरानी बस्ती सरायपाली, बस स्टैंड, जय स्तंभ चौक होते हुए पुनः कार्यक्रम स्थल पर संपन्न हुई। पूरे नगर में जय माँ गायत्री के जयघोष से आध्यात्मिक वातावरण निर्मित हो गया। इस अवसर पर आओ गढ़े संस्कारवान पीढ़ी अभियान की प्रदेश संयोजक सरला कोसरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि कल प्रातः देव स्थापना के पश्चात सुबह 11 बजे सरायपाली क्षेत्र की 700 गर्भवती बहनों का गर्भोत्सव संस्कार, शांतिकुंज हरिद्वार से पधारे ऋषि पुत्रों द्वारा पूर्ण विधि-विधान से संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभिमन्यु की तरह गर्भ से ही संस्कार देने की प्रेरणा माताओं को दी जाएगी, ताकि वे संस्कारवान, श्रेष्ठ और राष्ट्रनिर्माता संतान को जन्म दें। ऐसे संस्कारों से युक्त पीढ़ी ही देश को आगे ले जाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इसी उद्देश्य के साथ अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा यह राष्ट्रव्यापी आव्हान किया गया है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, मातृशक्ति एवं गायत्री परिवार के कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिससे आयोजन को अभूतपूर्व सफलता मिली।

जिले में सड़क सुरक्षा माह में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम का होगा आयोजन

गरियाबंद। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आम नागरिकों में यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गरियाबंद जिले में सड़क सुरक्षा माह 2026 का आयोजन 01 जनवरी 2026 से 31 जनवरी 2026 तक किया जा रहा है। इस अवधि में जिला प्रशासन एवं परिवहन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में विविध जन-जागरूकता एवं सेवामूलक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत हेलमेट रैली, लर्निंग लाइसेंस शिविर, एचएसआरपी (हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट) शिविर, विद्यालय एवं महाविद्यालयों में वाद-विवाद प्रतियोगिता, रंगोली प्रतियोगिता, स्कूल बसों की सघन जांच सहित अन्य जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य नागरिकों को यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना एवं सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है। इसी क्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों में लर्निंग लाइसेंस शिविरों का आयोजन किया जाना निर्धारित है, जिसमें विकासखंड गरियाबंद में 01 से 02 जनवरी 2026 स्थान यातायात (पुलिस) कार्यालय, गरियाबंद विकासखंड देवभोग 05 से 06 जनवरी, स्थान जनपद पंचायत सभाकक्ष, देवभोग, विकासखंड फिंगेश्वर 12 से 13 जनवरी 2026, स्थान नया बस स्टैंड, यात्री प्रतीक्षालय, फिंगेश्वर विकासखंड मैनपुर 19 से 20 जनवरी 2026, स्थान तहसील कार्यालय, गौरघाट विकासखंड छुरा 27 से 28 जनवरी 2026 स्थान गजानंद प्रसाद देवांगन शासकीय हाई स्कूल, छुरा में कार्यालयीन समय सुबह 10:00 से शाम 5:00 बजे तक आयोजित होगी।

अधिकारी कर्मचारी फैडरेशन ने रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

बलौदाबाजार। 11 सूत्री मांगों को लेकर प्रदेश के अधिकारी कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल आज भी जारी रही। बलोदा बाजार के दशहरा मैदान में अधिकारी कर्मचारी फैडरेशन के बैनर तले आयोजित इस आंदोलन के तीसरे दिन भी पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ हड़ताल जारी रही, जिसमें बलोदा बाजार जिले के सभी शासकीय कार्यालय में तालाबंदी रही। जिले के अलग-अलग विभागों के सभी कैडर के शासकीय कर्मचारियों ने मोदी की गारंटी लागू करो और अव नई साहिबो डीए एरियर्स ले के रहिबो नारे लगाए हड़ताल के तीसरे दिन सभी शासकीय दफ्तर में सन्नाटा पसरा रहा कलेक्ट्रेट, तहसील कार्यालय, स्कूल, अस्पताल और अन्य विभागीय दफ्तरों में कामकाज पूरी तरह ठप राहा दूर दराज से आये ग्रामीण और आम नागरिकों को खाली हाथ लौटना पड़ा कर्मचारी फेडरेशन का कहना है कि यह उनकी अस्मिता और वादों को पूरा कराने की लड़ाई है । सरकार में आने से पूर्व मोदी की गारंटी के रूप में जो संकल्प पत्र बीजेपी ने जारी किया था उसे लागू करने की कर्मचारी संगठनों ने मांग की मांगो को लेकर घमासान मचा हुआ है फेडरेशन के नेताओं ने स्पष्ट किया कि चुनाव के दौरान जो वादे किए गए थे अब तक धरातल पर नहीं उतरा गया है । डीए और लंबित एरियर्स की राशि के कारण कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है उनकी मुख्य मांगों में चुनाव घोषणा पत्र में किए गए वादों को तत्काल लागू करना लंबे समय से लंबित वेतन विसंगति को दूर करना केंद्र के समान महंगाई भत्ता और गृह भाड़ा भत्ता की मांग कैशलेस चिकित्सा सुविधा प्लेसमेंट कर्मचारियों को परमानेंट करना महत्वपूर्ण मांग शामिल है धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए फेडरेशन के पदाधिकारी ने एक स्वर में कहा कि हमें बार-बार सरकार को चेतावनी दी थी लेकिन हमारी जायज मांगों को ध्यान नहीं दिया गया । मोदी की गारंटी सिर्फ एक नारा ही नहीं कर्मचारियों से किया गया वादा था जिसे निभाना ही होगा अगर तीन दिनों में हमारी बात नहीं मानी गई तो आने वाले समय में अनिश्चितकालीन हड़ताल की रूपरेखा तैयार है तीन दिवसीय इस हड़ताल का आज आखिरी दिन था फेडरेशन ने एक विशाल रैली निकाल कर सरकार को अपनी ताकत दिखाई हजारों की संख्या में शासकीय कर्मचारीयो ने इसमें हिस्सा लिया । और एक स्वर में अपनी मांगों को पूरा करने के लिए मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम से आज ज्ञापन सौंप कर दी उक्त रैली में कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के संयोजक डॉक्टर एल एस ध्रुव,मनोज कुमार दुबे, संतोष वैष्णव, वायल रॉबर्ट,रमेश नेगी,कामता जांगड़े,भीम सेन,पी के हिरवानी ,रामलाल साहू,बी एल दिवाकर,प्रकाश कुमार तिवारी, सुरेश कुमार पैकरा,विजय साहू,अरुण साहू,मनबोथ टंडन,माखन चंद्राकर।

जिला प्रशासन के पहल पर 5 बंधक श्रमिक व 7 बच्चे विमुक्त

गरियाबंद। ज़िले के देवभोग क्षेत्र से 10 से 12 बंधक श्रमिकों तथा उनके बच्चों को जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त कार्रवाई कर मुक्त कराया गया। श्रमिकों को तेलंगाना राज्य के खम्मम ज़िले के एक ईट भट्ठे में बंधक बनाकर रखा गया था। कलेक्टर बीएस उइके के नेतृत्व में एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय के मार्गदर्शन में गठित दल में पुलिस विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग तथा राज्य विभाग के अधिकारी शामिल रहे। दल द्वारा 28 दिसंबर को मौके पर पहुँचकर श्रमिकों को सुरक्षित रूप से मुक्त कराया गया। मुक्त कराए गए परिवारों के 7 बच्चों को भी जिला मुख्यालय वापस लाया गया। जिला बाल संरक्षण समिति द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया तथा उन्हें अस्थायी आवास एवं भोजन की व्यवस्था उपलब्ध कराई गई। बच्चों व अभिभावकों की काउंसलिंग भी की गई। कार्रवाई में श्रम विभाग के अधिकारी, पुलिस टीम तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जिला बाल संरक्षण अधिकारी अनिल द्विवेदी ने श्रमिकों एवं बच्चों की सुरक्षित वापसी की पुष्टि करते हुए कहा कि पुनर्वास एवं सहायता संबंधी आवश्यक कार्यवाई जारी है। इस दौरान रेस्क्यु दल में श्रम निरीक्षक मनीष बंजारे, डीसीपीयू महिला एवं बाल विकास गोपाल सिंह कंवर, श्रम कल्याण निरीक्षक पुणानंद साहू, राजस्व अधिकारी अजय देवांगन, प्रधान आरक्षक करम जांगड़े एवं विजय मिश्रा की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

श्रीमद भाग़वत कथा के पठन, श्रवण से आध्यात्मिक उन्नति होती है : कविता

धमतरी । ग्राम धौराभाठा में जय माँ शीतला युवा प्रकोष्ठ महिला समुह एवं समस्त ग्रामवासियो के तत्वाधान में श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है कथा के षष्टम दिवस महारास लीला सुदामा चरित्र एव कृष्ण रुखमणी विवाह के अवसर पर जिला पंचायत सदस्य कविता योगेश बाबर ग्राम धौराभाठा पहुँची और श्रीकृष्ण जी की आरती कार्यक्रम में सहभागी बनी। श्रीमद्भागवत कथा के व्यास पीठ पर सुमधुर कथावाचक गौरव शर्मा महाराज द्वारा समस्त ग्राम वासियों को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराया जा रहा है। इस अवसर पर बाबर ने कथा स्थल पर मौजूद धर्म प्रेमी श्रोता बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत कथा की रचना महर्षि वेद व्यास ने की थी।

प्रतिभा ग्रुप के तत्वावधान में हुआ वार्षिक उत्सव 2025 का रंगारंग आयोजन

सरायपाली। प्रतिभा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में वार्षिक उत्सव 2025 का रंगारंग कार्यक्रम शाला परिसर के विशाल मैदान में स्थापित भव्य पंडाल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 5000 दर्शकों की उपस्थिति रही और यह समारोह सफलतापूर्वक एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शीर्षक गीता के सूत्र वसुधैव कुटुम्बकम (अर्थात संसार एक परिवार है) पर आधारित था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत भारत की सांस्कृतिक एकता को विभिन्न प्रदेशों की लोक संस्कृति तथा महान ग्रंथ रामायण एवं महाभारत से प्रेरित दृश्यों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस सुंदर प्रस्तुति को प्रतिभा बी.एड., डी.एल.एड. एवं आईटीआई के विद्यार्थियों के साथ-साथ प्रतिभा स्कूल के कुल 500 विद्यार्थियों ने अपने-अपने समूहों द्वारा मंच पर जीवंत रूप में प्रस्तुत किया, जिसे देखकर अतिथि एवं दर्शक भारतीय जीवन मूल्यों, सामाजिक मर्यादाओं एवं राष्ट्रीय धर्मभाव से अभिभूत हो गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजीव गुप्ता प्रदेश अध्यक्ष निजी विद्यालय समिति छत्तीसगढ़ रहे। मुख्य अतिथि महोदय द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025 में 10वीं,12वीं बोर्ड तथा बी.एड., डी.एल.एड. एवं आई.टी.आई. की वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों तथा शिक्षार्थियों को सम्मानित किया गया उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पालको एवं शिक्षकों की नियमित बैठक (पी.टी.एम) अनिवार्य है ऐसा कहा। कार्यक्रम में शाला प्रशासन समिति के प्राचार्य नरहरि पटनायक, उप-प्राचार्य नासिर खान, सभी विभाग प्रमुख, संचालक समिति के अध्यक्ष नरेश चंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष विश्वजीत गुप्ता, कोषाध्यक्ष अवधेश अग्रवाल, सचिव महेश अग्रवाल, संचालकगण कनक चंद जैन, प्रमोद सेठिया, श्याम सुंदर अग्रवाल, मुस्ताक हुसैन एवं शाला संचालक डॉ. आभास अग्रवाल उपस्थित रहे। विशेष अतिथियों में बसना प्रतिभा स्कूल समिति की अध्यक्ष डॉ. रीता अग्रवाल, संचालक देवचरण अग्रवाल, सचिव महेश अग्रवाल, शहर के जनप्रतिनिधि विधायक चातुरी नंद, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष, नवोदय विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय एवं समस्त निजी विद्यालयों के प्राचार्य मय स्टाफ, व्यवसायी, पालकगण एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रबंधक हामिद खान, सांस्कृतिक प्रमुख दीपिका मोहंती, सुशील महापात्र, अनीता चौधरी, मनीषा बग्गा, सहित सभी चालक-परिचालक एवं संस्था में कार्यरत समस्त कर्मचारियों का योगदान सराहनीय रहा।

संक्षिप्त समाचार

शराब के लिए पैसे नही देने पर चाकू से जानलेवा हमला,आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। जिले के बहेराडीह गांव में शराब पीने तथा शराब पीने के लिए पैसे देने से मना करने पर एक व्यक्ति पर चाकू से जानलेवा हमला कर फरार होने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तर कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त चाकू भी जप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मंगलुराम यादव निवासी बहेराडीह अपने दिनांक 29 12 25 को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया था कि वह शाम करीबन 4:30 बजे घर से तेली तालाब की ओर गया था और वापस आते समय पड़ोस के ओमप्रकाश यादव से मिला और ओम प्रकाश यादव के द्वारा उसे शराब पीने के लिए बोला गया जिसे प्रार्थी के द्वारा मना कर दिया गया। जिसपर ओमप्रकाश यादव ने धमकाते हुए शराब पीने या फिर शराब पीने के लिए पैसा देने बोला गया और इस बात को लेकर आरोपी ओमप्रकाश ाने गाली गलौज करने करते हुए पास रखें चाकू से प्रार्थी की हत्या करने की नीयत से गले पर प्राण घातक हमला कर दिया। हमले में गला काटने से अत्यधिक खून निकलने लगा और आरोपी ओम प्रकाश यादव मौके से भाग गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना चापा में तत्काल हत्या का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी सूचना जिले के पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पांडेय (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कश्यप, एसडीओपी चापा यदुमणी सिदार को दी गई जिस पर अधिकारियों द्वारा तत्काल आरोपी की गिरफ्तारी कर कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश प्राप्त हुए इसके क्रम में थाना चापा से एक टीम मौके की ओर रवाना किया गया पुलिस टीम के द्वारा आरोपी को पकड़ा गया।

मड़ई मेले में चाकूबाजी, कांग्रेस पार्षद समेत दो लोग गंभीर घायल, दो आरोपी गिरफ्तार

बालोद। जिले में चाकूबाजी की एक गंभीर घटना सामने आई है। डौंडीलौहारा में आयोजित मड़ई मेला देखने पहुंचे दल्लीराजहरा के कांग्रेस पार्षद सहित दो लोगों पर चाकू से हमला कर दिया गया। हमले में दोनों को गले, सिर और पेट में गंभीर चोटें आई हैं, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है। मिली जानकारी के अनुसार, दल्लीराजहरा से छह युवक सोमवार को मड़ई मेला देखने डौंडीलौहारा पहुंचे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर युवकों का दूसरे गुट से विवाद हो गया। बहस बढ़ते ही आरोपियों ने भरे मेले में अचानक चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में दल्लीराजहरा वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद पावेंद्र कोडप्पा और एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद दोनों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए चाकूबाजी के आरोप में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है।

40 किलो गांजा और 20 लाख रूपये नगद के साथ पकड़ाये 4 अंतर्राज्यीय तस्कर

रायपुर। पुलिस ने एनएच-130 सी मार्ग पर नाकाबंदी के दौरान 40 किलो अवैध गांजा और करीब 20 लाख रुपए की नकदी के साथ चार अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।मिली जानकारी के अनुसार गरियाबंद पुलिस के द्वारा नये वर्ष के मद्देनजर वाहनों की जांच-पड़ताल की जा रही है। इस कड़ी में गाड़ियों की तलाशी के दौरान पुलिस ने एनएच-130 सी मार्ग पर एक कार को रोककर उसकी तलाशी ली तो कार के पीछे डिग्गी में दो सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में गांजा रखा हुआ पाया गया और साथ ही 20 लाख रूपये नगद भी बरामद किये गये। गांजा तथा नगद के संबंध में पुछताछ करने पर संतोषजनक जवाब नही मिलने पर पुलिस ने कार सवार चार लोगों को गिरफ्तार करते हुए गांजा,नगदी रकम तथा नशे की तस्करी में प्रयुक्त कार को जब्त कर लिया है। बताया जाता है कि गिरफ्तार किए गए चारों आरोपी मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के निवासी हैं तथा इनमें से एक आरोपी के खिलाफ पहले से बलात्कार और मारपीट के अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज किया है।

डोंगरगढ़ के जंगल में तेंदुए का हमला, ग्रामीण गंभीर घायल

डोंगरगढ़। थाना क्षेत्र के मोहारा पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम लोझरी में उस समय अफ्रा-तफ्री मच गई, जब जंगल से नीम की पत्तियां तोड़ने गए एक ग्रामीण पर तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में केजृउ राम कंवर गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि तेंदुए के पंजों से ग्रामीण के सिर पर गहरी चोट आई। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण उसे तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डोंगरगढ़ लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक होने पर उसे राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफ्र कर दिया गया। यह पहली घटना नहीं है। डोंगरगढ़ वन परिक्षेत्र में पिछले कुछ समय से तेंदुए की गतिविधियां लगातार देखी जा रही हैं। कुछ माह पहले इसी इलाके में एक तेंदुए का शव संदिग्ध हालत में मिला था।

छत्तीसगढ़ राज्य सड़क सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा बैठक संपन्न

सड़क सुरक्षा उपायों का सबकी सहभागिता से हो बेहतर क्रियान्वयन-विकासशील........

■ सड़क सुरक्षा उपायों का सबकी सहभागिता से हो बेहतर क्रियान्वयन

रायपुर/ संवाददाता

राज्य सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव श्री विकासशील ने राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को परस्पर समन्वय के साथ कार्य करते हुए सड़क सुरक्षा को बेहतर बनाने के दिए निर्देश। मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कहा है कि सुनिश्चित करे कि 108 एम्बुलेंस समय पर दुर्घटना स्थल पर पहुंचे। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिाकरियों को इसकी मॉनिटरिंग के निर्देश दिए है। दुर्घटना में घायल व्यक्ति के समुचित उपचार हेतु ट्रामा सेंटरों को सुदृढ़ किया जावे। सड़क सुरक्षा एवं स्वप्रेरणा से सुगम यातायात प्रबंधन कार्य हेतु अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने सभी जिलों के कलेक्टरों को सड़क दुर्घटनाओं को रोकने तथा सड़क सुरक्षा की लगातार मानिटरिंग करने और जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक करने के निर्देश दिए है। समीक्षा बैठक के प्रारंभ में सचिव परिवहन श्री एस. प्रकाश के प्रारंभिक विभागीय गतिविधियों की विस्तार से से जानकारी दी। श्री संजय शर्मा अध्यक्ष अंतर्विभागीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा) ने संबंधित विभागों द्वारा संपादित कार्यों तथा अद्यतन स्थिति की जानकारी प्रस्तुत चिन्हाकित 152 ब्लैक स्पॉट्स में से 102 में सुधार कार्य पूर्ण शेष 50 में सुधारात्मक उपाय शीघ्र किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। यातायात के नियमों के उल्लंघनकर्ताओं के विरूद्ध पुलिस विभाग द्वारा 8,15,954 प्रकरणों पर कार्यवाही 33,22,39,300 रूपए तथा परिवहन विभाग द्वारा राशि 38.52 करोड़ शमन शुल्क वसूल किये गए। इस वर्ष विभिन्न जिलों में 150 सड़क सुरक्षा समितियां समीक्षा बैठक संपन्न हुई है। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों के उपचार हेतु 8 जिलों अस्पताल में सीटीस्कैन की जांच, समस्त जिला अस्पतालों 24ग7 एक्सरे, लेबोट्री जांच,इमरजेंसी संबंधित आवश्यक दवाईयां, इन्जेक्षन उपलब्ध, समस्त जिलों के विशेषज्ञ, चिकित्सा, स्टाफ नर्स, पैरामेडिकल स्टाफ को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस वर्ष शाला सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण में सड़क सुरक्षा से संबंधित यातायात जागरूकता के लगभग 4,47,200 प्रशिक्षण के माध्यम से तथा 7,19,000 यूट्यूब के माध्यम से शिक्षक तथा विद्यार्थी लाभान्वित हुए है। समग्र शिक्षा द्वारा मुख्यमंत्री शाला सुरक्षा संबंधी प्रषिक्षण में 1200 स्त्रोत व्यक्ति, 46,000 शिक्षक एवं 4 लाख छात्र-छात्राओं तथा राज्य साक्षरता मिशन द्वारा संपन्न वाद-विवाद प्रतियोगिता में सड़क सुरक्षा से 1,38,000 शिक्षकगण/ विद्यार्थी/ समुदाय लाभान्वित हुए। यातायात जागरूकता के 15,319 कार्यक्रम, शैक्षणिक संस्थानों में संपन्न हुए। बैठक में अवगत कराया गया कि प्रदेश के 169 नगरीय निकायों में 3,72,406 एलईडी स्ट्रीट लाईट लगाये गये, 1,02,410 अतिरिक्त लाईट्स की स्वीकृति प्रदान की गई। प्रदेश में करीब में 5388 अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। सड़क दुर्घटनाओं के प्रभावितों के धनरहित उपचार के लिये निर्दिष्ट चिकित्सालयों का आवश्यकतानुसार प्रशिक्षण, घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने वाले नेक व्यक्तियों, गुड सेमेरिटन को यथाशीघ्र सम्मान राशि प्रदाय करने के निर्देश दिये गये। राज्य में सर्वाधिक सडक दुर्घटनाओ एवं इससे होने वाली मृत्यु एवं घायलों के रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, कोरबा, रायगढ़, बलौदाबाजार, सरगुजा, जगदलपुर (बस्तर) जिलों में दुर्घटनाओं के कारणों की समीक्षा कर कार्ययोजना तैयार प्रभावी नियंत्रण के निर्देश दिये गये।

प्रशासनिक अधिकारियों को मिला आंतरिक सशक्तिकरण का मंत्र

■ छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा में हुआ आयोजन...

■ बिमारी का मूल कारण हमारी मानसिक स्थिति में छिपा है... ब्रह्माकुमारी श्रेया दीदी, मुम्बई

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय मुम्बई की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी श्रेया दीदी ने कहा कि अपने हर विचार के लिए हम स्वयं जिम्मेदार होते हैं। मन की शान्ति के लिए जरूरी है कि हम सही सोचें। डॉक्टर्स का कहना है कि शरीर की हर बिमारी का मूल कारण हमारी मानसिक अवस्था में छिपा हुआ है। इसलिए किसी बात को मन में दबाकर न रखें। उसे किसी के आगे बतलाकर हल्के हो जाएं। वह ब्रह्माकुमारीज के प्रशासनिक सेवा प्रभाग द्वारा छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा में शासकीय अधिकारियों के लिए आयोजित वर्कशाप में अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। विषय था- प्रशासनिक अधिकारियों में आवश्यक व्यक्तिगत कौशल ⸝हमाकुमारी श्रेया दीद वर्तमान समय में बाहरी चुनौतियों से अधिक आंतरिक स्थिति को मजबूत करने की आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब हम अपने मन को नियंत्रित कर लेते हैं, तो बाहरी परिस्थितियाँ स्वत: ही हमारे अनुकूल होने लगती हैं ्न्होंने बतलाया कि हमारा मन कमजोर होगा तो छोटी-छोटी समस्याएं भी पहाड़ जैसी महसूस होगी। अपनी कार्यक्षमता और निर्णय शक्ति को बढ़ाने के लिए मेडिटेशन द्वारा आत्मबल को बढ़ाने और उसे मजबूत करने की आवश्यकता है। कार्यस्थल पर बढ़ता दबाव और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाना तभी संभव है जब हम प्रतिदिन स्वयं के लिए समय निकालकर मेडिटेशन करेंगे। यदि शासन-प्रशासन में बैठे लोग मानसिक रूप से शांत और प्रसन्न रहेंगे, तो उनकी कार्यक्षमता में न केवल वृद्धि होगी।

गणतंत्र दिवस पर नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ की झांकी का चयन

■ रक्षा मंत्रालय की चयन कमेटी ने किया चयन

रायपुर। संवाददाता

आगामी गणतंत्र दिवस समारोह में नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर छत्तीसगढ़ की झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगी। इस वर्ष छत्तीसगढ़ की झांकी में जनजातीय वीर नायकों को समर्पित देश के पहले डिजिटल संग्रहालय की अद्भुत झलक प्रदर्शित की जाएगी। रक्षा मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति द्वारा गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह के लिए छत्तीसगढ़ की झांकी का चयन किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह डिजिटल संग्रहालय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा छत्तीसगढ़ स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर में लोकार्पित किया जा चुका है। गणतंत्र दिवस समारोह हेतु झांकी के चयन पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की झांकी के माध्यम से देशभर के नागरिकों को आदिवासी समाज की अटूट देशभक्ति, अनुपम वीरता और अपने सिद्धांतों के लिए बलिदान की गौरवशाली परंपरा को देखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने इसे पूरे राज्य के लिए गर्व और उत्साह का विषय बताया। जनसंपर्क विभाग के सचिव श्री रोहित यादव ने बताया कि सभी राज्यों द्वारा अपनी झांकियों के प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय को भेजे गए थे। लगभग चार महीने तक चली विस्तृत और कठोर चयन प्रक्रिया के बाद 17 राज्यों की झांकियों को अंतिम रूप से चयनित किया गया है, जिनमें छत्तीसगढ़ की झांकी भी शामिल है। विशेषज्ञ समिति ने छत्तीसगढ़ की झांकी की विषयवस्तु, प्रस्तुति शैली और अभिनव डिज़ाइन की विशेष सराहना की। जनसंपर्क आयुक्त श्री रवि मित्तल ने जानकारी दी।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों से ही सशक्त व संस्कारित समाज का निर्माण संभव : रंजना साहू

औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में संशोधन

छग को और अधिक निवेश-अनुकूल एवं प्रतिस्पर्धी बनाने की बड़ी पहल.....

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में राज्य की औद्योगिक विकास नीति 2024ङ्क30 में महत्वपूर्ण संशोधनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन संशोधनों के माध्यम से नीति को अन्य राज्यों की तुलना में और अधिक प्रतिस्पर्धात्मक, स्पष्ट एवं निवेश-अनुकूल बनाया गया है। इससे राज्य में औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्र के साथ-साथ रोजगार के नए अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि होने की संभावनाएँ सुदृढ़ हुई हैं। मंत्रिपरिषद द्वारा लिए गए निर्णयों का मुख्य उद्देश्य राज्य के मूल निवासियों के लिए स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण रोजगार का सृजन सुनिश्चित करना है। इसी दृष्टि से ईपीएफ प्रतिपूर्ति तथा रोजगार सृजन अनुदान से संबंधित नए प्रावधान जोड़े गए हैं। अब 50 से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने वाले विशेष सेक्टर के उद्यम — जैसे फार्मा, टेक्सटाइल, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, एआई, आईटी आदि के एमएसएमई इकाइयों को भी छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को दिए जाने वाले वेतन पर अनुदान प्राप्त होगा। सेवा क्षेत्र के दायरे का विस्तार करते हुए, मंत्रिमंडल ने कंप्यूटर-आधारित टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, ई-कॉमर्स एवं ऐप-आधारित एग्रीगेटर, तथा ह्लक्रू मान्यता प्राप्त डायग्नोस्टिक लैब को भी नीति के अंतर्गत सम्मिलित किया है। इन संस्थाओं को अब औद्योगिक विकास नीति के तहत निर्धारित प्रोत्साहन एवं अनुदान का लाभ मिलेगा।

छग के आईपीएस अधिकारी जितेंद्र शुक्ला की एनएसजी में नियुक्ति किया गया

रायपुर। छग में पदस्थ आईपीएस अधिकारी जितेंद्र शुक्ला को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जा र हे है। गृहविभाग ने उन्हें एनएसजी में ग्रुप कमांडर बनाकर भेजा है। रायपुर में स्थित पीएचक्यू इन दिनों कमिश्नर प्रणाली के लागू होने को देखते हुए बड़ा उलटफेर करने की तैयारी कर रहा है। मिली जानकारी के अनुसार छग के रायपुर राजधानी में कार्यरत जितेंद्र शुक्ला को नई दिल्ली प्रतिनियुक्ति पर भेजे जाने का आदेश हो गया है। केंद्र ने उन्हें तत्काल रिलीव करने का आदेश दिया है। वे एनएसजी बतौर ग्रुप कमांडर काम करेंगे। प्रदेश में 2012 के आईपीएस अधिकारी प्रमोट होंगे। इनमें आशुतोष सिंह विवेक शुक्ला रजनेश सिंह, शशी मोहन सिंह, राजेश कुकरेजा राजेश अग्रवाल, विजय अग्रवाल और रामकृष्ण साहू शामिल है। वर्ष 2013 के आईपीएस को सलेक्शन ग्रेड मिलेगा। एसपी का पद नाम बदलकर एसएसपी हो जाएगा। इन चार में जितेंद्र शुक्ला मोहित गर्ग अभिषेक पल्लव और भोजराम पटेल है। पुलिस में कमिश्नर प्रणाली लागू हो जाने के बाद रायपुर ग्रामीण का एक नया रेंज बनेगा उसका मुख्यालय महासमुंद होगा।

पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम का प्रभावी क्रियान्वयन........

■ अब तक 4,379 आवारा श्वानों का बंधियाकरण एवं एंटी रेबिस टीकाकरण किया गया

रायपुर। संवाददाता

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के निर्देशानुसार जिले में पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम का प्रभावी एवं सतत क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत आवारा श्वानों का बंधियाकरण (नसबंदी) एवं एंटी रेबिस टीकाकरण किया जा रहा है, जिससे श्वानों की संख्या पर नियंत्रण के साथ-साथ जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। आयुक्त नगर निगम विश्वदीप के मार्गदर्शन में नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डों से घुमन्तु श्वानों को निगम के डॉग कैचर दल द्वारा पकड़कर नगर निगम के एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर, बैरनबाजार लाया जाता है। यहां प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा श्वानों की नसबंदी के साथ-साथ एंटी रेबिस का टीकाकरण किया जा रहा है। इस विशेष कार्य के लिए दो चिकित्सकों की तैनाती की गई है। नसबंदी उपरांत 3 से 4 दिवस तक पोस्ट ऑपरेटिव केयर के बाद श्वानों को उसी स्थान पर सुरक्षित रूप से छोड़ा जाता है, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। इसी क्रम में नगर निगम बिरगांव में भी एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है, जिसके पूर्ण होने के पश्चात् क्षेत्र में पशु जन्म नियंत्रण कार्य को और अधिक गति मिलेगी।

केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई जामगांव एम : ग्रामीण अर्थव्यवस्था और रोजगार को नया बल

प्रसंस्करण इकाई से मिल रहा स्थानीय लोगों को रोजगार

रायपुर/ संवाददाता

केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण रोजगार में वनोपज और औषधीय पौधों के संग्रह, प्रसंस्करण और मूल्य-वर्धन के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था और ग्रामीणों, खासकर महिलाओं, के लिए आय और रोजगार के नए अवसर पैदा करती है। दुर्ग जिला के पाटन विकासखंड के जामगांव एम में स्थापित केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई ग्रामीण रोजगार, वनोपज प्रसंस्करण और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह इकाई लगभग 111 एकड़ क्षेत्र में विकसित की गई है, जहां छत्तीसगढ़ शासन और राज्य लघु वनोपज (व्यापार एवं विकास) सहकारी संघ मर्यादित के माध्यम से वन क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों से वनोपज और औषधीय पौधों का क्रय, संग्रहण और प्रसंस्करण किया जा रहा है। यहां तैयार किए जा रहे हर्बल उत्पाद 'छत्तीसगढ़ हर्बल ब्रांड' के नाम से बाजार में उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग स्वास्थ्य लाभ के लिए किया जाता है। प्रसंस्करण इकाई क्रमांक- 01 में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित किए गए हैं। यहां आंवला, बेल और जामुन से जूस, कैंडी, लच्छा, मुरब्बा, शरबत, पल्प और आरटीएस पेय जैसे शुद्ध हर्बल उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। इन उत्पादों का विक्रय एनडब्ल्यूएफ्पी मार्ट और संजीवनी स्टोर के माध्यम से किया जाता है। इस इकाई ने मात्र एक वर्ष में लगभग 44 लाख रुपये मूल्य के उत्पादों का निर्माण और विक्रय कर स्थानीय लोगों की आय बढ़ाने में अहम योगदान दिया है। इकाई क्रमांक- 02 में चार बड़े गोदाम बनाए गए हैं, जिनकी कुल भंडारण क्षमता 20,000 मीट्रिक टन है। यहां राज्य के विभिन्न जिलों से प्राप्त वनोपज का सुरक्षित भंडारण किया जाता है। वर्तमान में कोदो, कुटकी, रागी, हर्रा

कचरिया, चिरायता, कालमेघ, पलास फूल और साल बीज सहित विभिन्न वनोपज का संग्रह किया गया है। इन उत्पादों का विक्रय संघ मुख्यालय रायपुर द्वारा निविदा प्रक्रिया के माध्यम से किया जाता है। इन दोनों इकाइयों के संचालन से अब तक 5,200 से अधिक मानव दिवस का रोजगार सृजित हो चुका है। जामगांव एम में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट की स्थापना की गई है। यह यूनिट छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ और स्फेयर बायोटेक कंपनी के संयुक्त प्रयास से बनी है, जिसका लोकार्पण वर्ष 2025 में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और वन मंत्री श्री केदार कश्यप द्वारा किया गया था। लगभग 6 एकड़ क्षेत्र में बनी इस यूनिट में गिलोय, कालमेघ, बहेड़ा, सफेद मुसली, जंगली हल्दी, गुड़मार, अश्वगंधा और शतावरी जैसे औषधीय पौधों से अर्क निकाला जा रहा है। इन अर्कों का उपयोग आयुर्वेदिक दवाओं और वेलनेस उत्पादों के निर्माण में किया जाता है। हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट के माध्यम से ग्रामीण संग्राहकों से वनोपज और औषधीय पौधों का पूर्ण क्रय सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे उन्हें उचित मूल्य और नियमित आय मिल रही है। इससे वन क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो रहा है और नए रोजगार अवसर भी सृजित हो रहे हैं। जामगांव एम की केन्द्रीय प्रसंस्करण इकाई, वेयरहाउस और हर्बल एक्सट्रैक्शन यूनिट वनोपज की मूल्यवृद्धि के साथ-साथ ग्रामीणों और संग्राहकों के लिए आजीविका के मजबूत साधन बन रहे हैं।

संपादकीय

इंसाफ केवल होना नहीं, दिखना भी चाहिए

एक ओर महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों पर लगाम नहीं लग पाना आज भी एक बड़ी चुनौती है, वहीं कानूनी नुक्तों का फायदा उठा कर बलात्कार जैसे जघन्य अपराध के दोषी को भी कई बार रियायत दे दी जाती है। संभव है कि कानून की किसी व्याख्या के मुताबिक, अदालत में बलात्कार के दोषी सिद्ध हुए व्यक्ति को जमानत का पात्र समझा जाए, लेकिन इससे पीड़ित महिला के लिए न्याय सुनिश्चित किए जाने की प्रक्रिया गंभीर रूप से बाधित होती है। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश के उन्नाव में एक नाबालिग लड़की से बलात्कार के मामले में वर्ष 2019 में पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को उम्रकैद की सजा हुई थी। अदालत ने भारतीय दंड संहिता के तहत बलात्कार के मामले और बच्चे-बच्चियों के यौन शोषण से सुरक्षा के कानून 'पाक्सो' में गंभीर यौन हिंसा के प्रावधानों के मुताबिक सजा दी थी। तब यह घटना देश भर में व्यापक चिंता और आक्रोश का कारण बनी थी। मगर अब दिल्ली हाई कोर्ट ने सेंगर की सजा को निलंबित करने का आदेश दे दिया। इस संदर्भ में एक अहम तथ्य यह है कि दोषी सिद्ध होने के बाद निचली अदालत ने साफ कहा था कि सेंगर को जीवन भर जेल में रहना होगा। जाहिर है, अपराध की गंभीरता और प्रकृति के मद्देनजर निचली अदालत में सेंगर को मिली सजा को कानून के मुताबिक माना जा रहा था, लेकिन दिल्ली उच्च न्यायालय ने जिस आधार पर उस सजा को निलंबित करने का आदेश दिया, वह स्वाभाविक ही विवादों के घेरे में आ गया। अब सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। दरअसल, इस घटना के बाद पीड़िता को जिन हालात का सामना करना पड़ा और उसके जीवन तक पर जिस तरह के जोखिम खड़े हुए थे, वे बेहद अप्रत्याशित थे, मगर उससे साफ था कि जघन्य अपराधों के बाद एक ऊंचे राजनीतिक रसूख वाला आरोपी पीड़िता को खामोश करने के लिए किस हद तक जा सकता है। इस दौरान पीड़िता के पिता की जान चली गई; एक ट्रक ने उस कार को टक्कर मार दी।

गुजरात के इस प्रमुख नगर को पहले कर्णावती के ही नाम से जाना जाता था। दस्तावेजों के मुताबिक, इसकी स्थापना 11वीं सदी में सोलंकी शासक कर्णदेव ने की थी। उसी के नाम के चलते इसे कर्णावती कहा जाता था। लेकिन बाद में वहां सुल्तान अहमद शाह ने आक्रमण किया और कब्जे के बाद उसने इस शहर के बगल में 1411 में 'अहमदाबाद' बसाया। राष्ट्रमंडल खेलों के शताब्दी वर्ष के आयोजन की जिम्मेदारी अहमदाबाद को मिलने के बाद एक बार फिर उसका नाम बदलकर कर्णावती करने को लेकर सोशल मीडिया पर मांग तेज हो गई है। तर्क दिया जा रहा है कि राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन यानी साल 2030 तक गुजरात की पहली राजधानी को कर्णावती के नाम से जाना चाहिए। यह पहला मौका नहीं है, जब इस शहर का नाम बदलने की मांग हो रही है।

राष्ट्रमंडल खेलों के बहाने क्या अहमदाबाद बन पाएगा कर्णावती

(उमेश चतुर्वेदी)

जब साल 2018 में गुजरात के सहोदर राज्य महाराष्ट्र की तत्कालीन सरकार ने कई शहरों के नाम बदले, तब भी यह मांग उठी थी। लेकिन तब इसे अस्वीकार कर दिया गया था। वैसे भी भारतीय जनता पार्टी का जोर भारत के प्राचीन रूप और नाम पर रहा है, फिर गुजरात की सत्ता पर भाजपा तकरीबन तीन दशक से काबिज है, इसकी वजह से शहर को पुराने नाम की पहचान दिलाने की चाहत रखने वाले रह-रहकर मांग करते रहे हैं। गुजरात के इस प्रमुख नगर को पहले कर्णावती के ही नाम से जाना जाता था। दस्तावेजों के मुताबिक, इसकी स्थापना 11वीं सदी में सोलंकी शासक कर्णदेव ने की थी। उसी के नाम के चलते इसे कर्णावती कहा जाता था। लेकिन बाद में वहां सुल्तान अहमद शाह ने आक्रमण किया और कब्जे के बाद उसने इस शहर के बगल में 1411 में 'अहमदाबाद' बसाया। कर्णावती नाम करने की मांग के पीछे इस शहर को उसके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जड़ों से फिर से जोड़ने की चाहत से प्रेरित है। कुछ वैसे ही, जैसे उत्तर प्रदेश में फैजाबाद को बदलकर अयोध्या, मुगलसराय को बदलकर दीनदयाल उपाध्याय नगर, इलाहाबाद को बदलकर प्रयागराज कर दिया गया है।

केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार आने के बाद गौरवशाली अतीत से जुड़ने और उसकी संज्ञाओं को बहाल करने का दौर तेज हो गया है। अयोध्या में राममंदिर, वाराणसी में काशी-विश्वनाथ कॉरीडोर और उज्जैन में महाकाल कॉरीडोर बनने के बाद पुनरूत्थानवादी सोच और प्रक्रिया को और बल मिला है। ऐसे में अहमदाबाद को पुराने कर्णावती नाम से जानने-पुकारने की इच्छा होना अचरज की बात नहीं है। कर्णावती नाम करने को लेकर कभी इसी शहर के एलिसब्रिज से विधायक और अब गांधीनगर से सांसद गृहमंत्री अमित शाह और अहमदाबाद पूर्व से लोकसभा सदस्य रहे हंसमुख भाई पटेल नकार चुके हैं। यह बात और है कि कभी हसमुख पटेल खुद भी कर्णावती नाम करने के लिए अभियान चला चुके थे। उन्होंने खुद 1995 और 2000 में नाम बदलने के लिए आवेदन भी दिया था, लेकिन इसे नकार दिया गया था। बाद में उन्होंने ही 2005 में शहर को हेरिटेज सिटी यानी विरासत शहर का दर्जा देने की मांग की थी। इसके बाद वे कर्णावती नाम किए जाने की मांग से पीछे हट गए थे। तब उन्होंने कहा था कि अब अगर अहमदाबाद शहर का नाम बदलकर कर्णावती किया गया तो

उसे वर्ल्ड हेरीटेज सिटी का दर्जा मिलना मुश्किल हो जाएगा।

साल 2018 में गुजरात के तत्कालीन उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने कहा था कि राज्य सरकार अहमदाबाद का नाम बदलकर कर्णावती करने पर विचार कर रही है। राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी ऐसा कहते रहे। तब उनकी राय सामने आने के बाद अहमदाबाद के इतिहास को लेकर नई बहस छिड़ गई थी। इसी तरह जब से अहमदाबाद को 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन का जिम्मा मिला है, एक बार फिर यही बहस तेज हो गई है।

अहमदाबाद ही कर्णावती था, इसकी जानकारी कई ऐतिहासिक पुस्तकों में मिलती है। ऐसी ही एक पुस्तक है, गुजरात विश्वविद्यालय में फ़ारसी के प्रमुख रहे छोटूभाई नायक की किताब 'हिस्ट्री ऑफ़ इस्लामिक सल्तनत इन गुजरात'। इसमें छोटू भाई नायक ने बताया है कि गुजरात के पहले स्वतंत्र शासक मुज़फ़्फ़रशाह ने अपने चार लड़कों को दरकिनार करते हुए अपने पोते अहमद शाह को अनहिलवाद के सिंहासन पर बैठा दिया था। जिसे आज हम पाटन के नाम से जानते हैं। इसी मुज़फ़्फ़र शाह के पांच बेटे थे, फ़िरोज़ ख़ान, हैबत ख़ान, सादत ख़ान, तातार ख़ान और शेर ख़ान। जिस अहमद शाह ने अहमदाबाद बसाया, वह तातार ख़ान का बेटा था। अहमद शाह के चाचाओं को इस बात का मलाल रहा कि राज्य में उन्हें हिस्सा नहीं मिला। गुजरात के इतिहास पर अंग्रेज लेखक एडवर्ड क्लाइव बेले की मशहूर किताब है, 'द लोकल मौह्मडन डायनेस्टीज़- गुज़रात'। इसमें उन्होंने मुजफ्फरशाह परिवार के संघर्ष पर प्रकाश डाला है। इस पुस्तक में बताया गया है कि फ़िरोज़ ख़ान का बेटा और अहमद शाह का चचेरा भाई मौदूद तब बड़ोदा का गवर्नर था। मौदूद ने अपने पिता फ़िरोज़ ख़ान के साथ मिलकर अहमद शाह के ख़िलाफ़ बग़ावत छेड़ने की तैयारी की और अपने साथ अमीर मुसलमानों को मिलाना शुरू किया। इस पुस्तक के मुताबिक, तत्कालीन दो हिंदू सरदारों, जीवनदास खत्री और प्रयागदास ने भी फ़िरोज़ ख़ान का साथ दिया। छोटू भाई शाह की पुस्तक के अनुसार, मालवा के सुल्तान हुशांग शाह ने भी अहमद शाह के ख़िलाफ़ बग़ावत में फ़िरोज़ ख़ान का साथ दिया था। अहमद शाह के ख़िलाफ़ खड़ी हो रही सेना की अगुआई मौदूद के हाथ थी, उसने जीवनदास को अपना वज़ीर घोषित कर दिया। जीवनदास ने पाटन पर हमले की सलाह दी। लेकिन कई ने इसका विरोध किया। कुछ लोग ऐसे भी रहे, जिन्होंने समझौते का प्रस्ताव रखा था। लेकिन दोनों पक्षों में विवाद इतना बढ़ा कि कुछ लोगों ने पलट कर अहमद शाह से मिल गए। बहरहाल बाद में संघर्ष हुआ, जिसमें जीवनदास खत्री मारा गया।

इसके बाद मौदूद को मजबूरी में खंबात का रूख करना पड़ा। वहां सूरत के शेख मलिक और रेंडर से उसकी मुलाकात हुई। इस बीच अहमद शाह उसका पीछा करता रहा और उसने जल्द ही मौदूद को गिरफ्तार करके भरूच किले को घेर लिया। बाद में सुल्तान को मौदूद पर दया आ गई और उसने मौदूद को रिहा करके वापस लौट गए। पाटन लौटते वक्त अहमदशाह ने साबरमती के किनारे असावल नामक कस्बे के पास डेरा डाला था। जिसके प्रमुख आशा भील थे। इसका जिक्र फारसी भाषा में लिखी अली मुहम्मद ख़ान की किताब मिरात-ए-अहमदी में जिक्र मिलता है। छोटूभाई नायक भी अपनी किताब में यही बात लिखते हैं। जहां सुल्तान रुका था, वहीं उसने नया शहर बसाने का फ़ैसला किया।

इसके बाद सुल्तान अपनी सेना लेकर आए जिसके बाद असावल के सरदार आशा भील को अपना क़स्बा छोड़कर भागना पड़ा। लेकिन आशा भील इसका विरोध कर रहे थे। लेकिन अहमदशाह की सेना के सामने वह टिक नहीं पाए और उन्हें पलायन करना पड़ा। फिर अहमदाबाद शहर की नींव 1411 के फरवरी-मार्च महीने में रखी गई। एक दावा यह भी है कि अहमद शाह ने अपने पीर हज़रत शेख़ अहमद खट्टू गंज बखूश की सलाह पर अहमदाबाद शहर बसया। लेकिन एक और लेखक खान बहादुर ने अपनी पुस्तक 'हिस्ट्री ऑफ़ गुजरात' में लिखा है कि अहमद शाह ने चार अहमदों, जिनमें एक उनके गुरू भी थे, के नाम पर शहर का नाम अहमदाबाद रखा।

गुजरात के जाने-माने पत्रकार अच्युत याज्ञनिक और उनकी साथी सुचित्रा सेठ ने अपनी किताब अहमदाबाद फ्रॉम रॉयल सिटी टू मेगा सिटी में अहमदाबाद, कर्णावती और असावल की चर्चा की है। अहमदाबाद को अरबी और फ़ारसी इतिहासकारों ने इसे असावल कहा है, जबकि संस्कृत और प्राकृत साहित्य में इसे आशापल्ली कहा गया है। दसवीं सदी में भारत आए ईरानी इतिहासकार अल-बरूनी ने भी असावल नाम की जगह का जिक्र किया है। इसी तरह 1039 में लिखी जैन आचार्य जिनेश्वरसुरी की पुस्तक निर्वाणलीलावतीकथा में अशापल्ली का ज़िक्र है।साफ है कि अहमदाबाद के पहले वहां आशापल्ली या असावल नाम की जगह थी या शहर था। इसके करीब 1304-05 में लिखी अपनी पुस्तक प्रबंधचिंतामणि में जैन आचार्य मेरुतुंडाछय ने कर्णावती का उल्लेख किया है। इसी किताब में जिक्र मिलता है कि पाटन के राजा कर्णदेव ने आशापल्ली पर कब्जा आशा भील को हराने के बाद किया और यहां पहले कोछराब देवी का मंदिर स्थापित करके यहां रहना शुरू किया। इसके बाद उन्होंने यहां कर्णेश्वर महादेव का मंदिर बनाया भी बनाया। इसके बाद उन्होंने कर्णा सागर बनवाया और कर्णावती पुरी को बसाकर उसे अपनी राजधानी बनाया।

इन्हीं ऐतिहासिक साक्ष्यों के ही आधार पर अहमदाबाद को कर्णावती करने की मांग उठती रही है। राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के बहाने एक बार फिर यह मांग उठ रही है। राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन की तैयारी में यह शहर सजेगा, उसकी गरिमा में चार-चांद लगेगा। इसी बहाने अगर उसका इतिहास लौट आए तो इसे कम से कम इतिहास, संस्कृति और गौरवपूर्ण अतीत से स्नेह करने वाले लोगों को भला क्यों एतराज होगा। देखना यह है कि गरिमा और गौरव पूर्ण अतीत की ओर लौटने की यह यात्रा कब तक पूरी हो पाती है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

गुरु की गर्जना, सभ्यता की शपथ- सवा लाख से एक लड़ाने वाला महासंत

(प्रणय विक्रम सिंह)

इतिहास के कुछ क्षण ऐसे होते हैं, जब कोई व्यक्ति नहीं, पूरी सभ्यता बोलती है। गुरु श्री गोबिन्द सिंह जी महाराज ऐसे ही क्षणों की आवाज हैं। वे किसी युग के साधु नहीं, सभ्यता के सेनापति थे। वे उस समय खड़े हुए, जब सनातन संस्कृति को मिटाने की योजनाएं तलवार से कम और विश्वासघात से अधिक रची जा रही थीं। उस समय गुरु ने समझौता नहीं किया, संघर्ष का शंखनाद किया।उस अंधकार में गुरु का जीवन दीपशिखा बनकर जला, न केवल सिख पंथ के लिए, बल्कि सम्पूर्ण भारतीय चेतना के लिए। गुरु गोबिन्द सिंह जी महाराज ने धर्म को पूजा की परिधि से निकालकर जीवन का साहस बनाया। उनके लिए स्वधर्म का अर्थ आत्मरक्षा भर नहीं था, बल्कि समाज और संस्कृति की रक्षा था। वे जानते थे कि जब अन्याय संगठित हो जाए, तो सत्य को भी संगठित होना पड़ता है। ऐसे समय पर धर्म का मौन अपराध बन जाता है। यही कारण है कि गुरु ने शास्त्र से शील और शस्त्र से शौर्य दोनों को एक ही श्वास में साधा। यही संत-सैनिक परंपरा है। यही खालसा है। और यही सनातन की वह चेतना है, जो संकट में तपकर और तेजस्वी होती है। सवा लाख से एक लड़ाऊं, चिड़ियन ते मैं बाज तुड़ाऊं, तबै गुरु गोबिंद सिंह नाम कहाऊं। यह पंक्ति कविता नहीं, घोषणा है। यह अहंकार नहीं, आत्मविश्वास है। यह संख्या की चुनौती नहीं, चरित्र की कसौटी है। गुरु कहते हैं कि मैं तब ही गुरु कहलाऊंगा, जब भयभीत भी वीर बनें, जब कमज़ोर भी शेर बनें, जब दमन के आकाश में उड़ती चिड़िया भी बाज से भिड़ने का साहस करे। यही खालसा का संकल्प हैः गिनती से नहीं, गुण से लड़ना। सिख पंथ कोई पृथक मार्ग नहीं, सनातन चेतना का ओजस्वी, उज्ज्वल और निर्भीक विस्तार है।सनातन परंपरा के पुनरुत्थान की उद्घोषणा है। गुरु गोबिन्द सिंह जी की वाणी में वेदों का विवेक है, गीता का कर्मयोग है और शक्ति-उपासना का ओज है। चंडी चरित्र में वे महाशक्ति का आह्वाहन करते हैं, चौबीस अवतार में विष्णु परंपरा का विस्तार करते हैं और 'शुभ करमन से कबहुँ न टरौं' में उसी सनातन प्रतिज्ञा को स्वर देते हैं, जिसने भारत को कभी पराजित नहीं होने दिया। गुरु के लिए राम, कृष्ण, दुर्गा प्रतीक नहीं संस्कार हैं। युद्धभूमि की प्रेरणा हैं। उनका जीवन सुविधाओं का नहीं, संघर्षों का सिंहनाद है। बलिदानों की बरछी है। आनंदपुर की घेराबंदी, चमकौर का रण, सरहिंद का रक्तरंजित अध्याय ये सब बताते हैं कि गुरु ने धर्म के लिए केवल प्रवचन नहीं दिए, वंश अर्पित कर दिया। 'जफरनामा' कोई शिकायत नहीं, बल्कि विजय-पत्र है। उस सत्य की विजय, जो सत्ता के सिंहासन से भी ऊंचा होता है। जब गुरु कहते हैं कि अब झूठी कसमों पर भरोसा नहीं, तो वह केवल औरंगज़ेब को नहीं, पूरी इस्लामी छल-परंपरा को ललकार रहे होते हैं।

चार साहिबजादों का बलिदान भारतीय इतिहास का वह शिखर है, जहां काल भी नतमस्तक हो जाता है। जहां शब्द थम जाते हैं। रण में अजीत सिंह और जुझार सिंह का शौर्य और सरहिंद में जोरावर सिंह व फतेह सिंह की अडिग आस्था, यह सिद्ध करती है कि धर्म उम्र नहीं पूछता, धैर्य पहचानता है। दीवारों में चुने गए वे बालक भारत की आत्मा में आज भी जीवित हैं। यह संदेश है कि सनातन चेतना को मिटाने के लिए केवल सेना नहीं, समूची सभ्यता को मारना पड़ेगा और यह असंभव है।

जो लोग आज इन बलिदानों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करते हैं, जो गुरु को मूर्तिभंजक बताने का दुस्साहस करते हैं, वे केवल अज्ञानी नहीं-वैचारिक अपराधी हैं। जो चंडी चरित्र रचता है, जो माता की मूर्ति को शब्दों में प्राण देता है भाल निपट विशाल सकल विध्न विमोचनी उसे मूर्तिपूजा का विरोधी कहना षड्यंत्र की चरम सीमा है।

गुरु श्री गोबिन्द सिंह जी महाराज स्मृति नहीं, संघर्ष की जीवित चेतना हैं। वे इतिहास नहीं सनातन की हुंकार हैं। वे आज भी पूछ रहे हैं कि तुम किस ओर हो? धर्म के साथ या डर के साथ? खालसा के साथ या समझौते के साथ? और याद रखो सवा लाख से एक लड़ने का साहस ही, सभ्यताओं को बचाता है।

अहंकार की राजनीति और लचर नेतृत्व ने इंडिया गठबंधन को 2025 में बिखेर कर रख दिया

महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी। साल 2025 भारतीय राजनीति में विपक्षी गठबंधन इंडिया के लिए आंतरिक टकराव, रणनीतिक भ्रम और नेतृत्व संकट का वर्ष बनकर उभरा। 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद जिस गठबंधन से यह अपेक्षा की जा रही थी कि वह एक सशक्त, वैकल्पिक राजनीतिक धारा के रूप में उभरेगा, वही 2025 में अपनी ही कमजोरियों से जूझता नजर आया। यह वर्ष विपक्ष के लिए न तो संगठनात्मक मजबूती लेकर आया, न ही वैचारिक स्पष्टता।

(नीरज कुमार दुबे)

सबसे बड़ा और प्रतीकात्मक तथ्य यह रहा कि पूरे 2025 में इंडिया गठबंधन की एक भी औपचारिक बैठक नहीं हुई। किसी भी राजनीतिक गठबंधन के लिए बैठकें केवल औपचारिकता नहीं होतीं, बल्कि संवाद, समन्वय और साझा रणनीति का आधार होती हैं। बैठकों का न होना यह संकेत देता है कि गठबंधन नाम मात्र का रह गया है, जबकि ज़मीनी स्तर पर दल अपनी-अपनी राह चलने लगे हैं।

दिल्ली विधानसभा चुनावों में यह बिखराव खुलकर सामने आया, जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस ने गठबंधन तोड़कर अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया। 2024 में लोकसभा चुनावों में सीमित तालमेल के बाद यह उम्मीद थी कि दिल्ली में विपक्ष एकजुट रहेगा, लेकिन आपसी अविश्वास और राजनीतिक अहंकार ने इस संभावना को खत्म कर दिया। नतीजा यह हुआ कि विपक्षी वोटों का विभाजन हुआ और इसका लाभ सीधे तौर पर भाजपा को मिला।

इसी तरह महाराष्ट्र में निकाय चुनावों के दौरान कांग्रेस ने एनसीपी (शरद पवार गुट) और शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) से अलग होकर अकेले चुनाव लड़ने का निर्णय लिया। यह फैसला उस समय और भी चौंकाने वाला था, जब भाजपा के खिलाफ संयुक्त लड़ाई की बात बार-बार दोहराई जा रही थी। कांग्रेस का यह रुख उसके सहयोगियों के लिए संकेत था कि गठबंधन केवल सुविधा का मंच है, प्रतिबद्धता का नहीं।

बिहार में तस्वीर थोड़ी अलग दिखी। यहां विपक्षी महागठबंधन ने मिलकर चुनाव लड़ा, लेकिन आपसी फूट, नेतृत्व की खींचतान और समन्वय की कमी ने इसे अब तक की सबसे बड़ी हार दिला दी। टिकट वितरण से लेकर प्रचार की रणनीति तक, हर स्तर पर असंतोष और अविश्वास साफ नजर आया। यह हार इसलिए भी ज्यादा चर्चा में रही क्योंकि एकजुटता के बावजूद गठबंधन जनता के बीच एक स्पष्ट, विश्वसनीय विकल्प के रूप में खुद को पेश नहीं कर सका।

2025 में इंडिया गठबंधन के भीतर नेतृत्व को लेकर असमंजस लगातार गहराता गया। समय-समय पर यह मांग उठती रही कि गठबंधन का नेतृत्व केवल कांग्रेस के हाथों में न रहे। तृणमूल कांग्रेस ने इस मांग की खुलकर अगुवाई की, यह कहते हुए कि क्षेत्रीय दलों की राजनीतिक ताकत और जनाधार

को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

उधर, कांग्रेस की यह समस्या रही कि वह गठबंधन का नेतृत्व तो करना चाहती है, लेकिन उसके अनुरूप लचीलापन और सामूहिकता दिखाने में अक्सर विफल रहती है। यही कारण है कि उसके कई सहयोगी दल उसके रुख से इत्तेफाक नहीं रख पाए।

साथ ही इंडिया गठबंधन के भीतर मतभेद केवल चुनावी रणनीति तक सीमित नहीं रहे, बल्कि मुद्दों पर भी एकरूपता का अभाव साफ दिखा। जम्मू-कश्मीर की नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला का बयान इस संदर्भ में बेहद महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि एसआईआर के विरोध में कांग्रेस के उतरने का मतलब यह नहीं है कि वह हमारी भी लड़ाई हो। यह बयान सिर्फ एक मुद्दे पर असहमति नहीं था, बल्कि यह दर्शाता था कि गठबंधन के घटक दल अपनी-अपनी क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और राजनीतिक मजबूरियों के अनुसार फैसले ले रहे हैं। ऐसे ही विचार समय-समय पर अन्य सहयोगी दलों की ओर से भी सामने आते रहे, जिससे गठबंधन की साझा वैचारिक जमीन और भी कमजोर होती चली गई।

इसी कड़ी में यदि राहुल गांधी की भूमिका का विश्लेषण किया जाए तो 2025 उनके लिए भी अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाने का वर्ष साबित हुआ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष के रूप में उनसे यह उम्मीद की जा रही थी कि वह महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मध्यम वर्ग से जुड़े जनहित के मुद्दों पर सरकार को घेरेंगे, लेकिन वह अधिकतर समय चुनाव आयोग पर निशाना साधने और संवैधानिक संस्थानों को कठघरे में खड़ा करने में व्यस्त नजर आए। इससे न केवल उनकी भूमिका पर सवाल खड़े हुए, बल्कि विपक्ष की विश्वसनीयता को भी नुकसान पहुंचा। कांग्रेस की अंदरूनी खींचतान, खासकर कर्नाटक में नेतृत्व और सत्ता संतुलन से जुड़े विवाद, का समाधान निकालने में भी वह विफल रहे। इसके अलावा पूरे वर्ष दिए गए उनके कई बयानों ने कांग्रेस ही नहीं, बल्कि उसके सहयोगी दलों की भी मुश्किलें बढ़ाईं, जिससे इंडिया गठबंधन के भीतर असहजता और अविश्वास और गहराता चला गया। देखा जाये तो साल 2025 विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए एक बड़ा अवसर हो सकता था, लेकिन यह वर्ष आपसी अविश्वास, नेतृत्व संघर्ष और रणनीतिक भ्रम की भेंट चढ़ गया।

बहरहाल, इंडिया गठबंधन अगर भविष्य में प्रासंगिक बने रहना चाहता है, तो उसे नाम से आगे बढ़कर वास्तविक राजनीतिक एकजुटता दिखानी होगी। साझा मंच, नियमित संवाद, स्पष्ट नेतृत्व संरचना और क्षेत्रीय दलों की आकांक्षाओं का सम्मान किये बिना यह गठबंधन केवल कागजी रह जाएगा। 2025 ने विपक्ष को यह सख्त संदेश दे दिया है कि बिखराव की राजनीति सत्ता का विकल्प नहीं बन सकती।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सुरूमदोह धान खरीदी केंद्र में बड़ा खेल

किसानों के हक पर प्रबंधक और प्रभारी मार रहे 'काटा'

भानुप्रतापपुर। छत्तीसगढ़ सरकार एक ओर किसानों की मेहनत का वाजिब दाम देने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर भ्रष्टाचार के दीमक किसानों के मुनाफे को चाट रहे हैं। ताज़ा मामला दुर्गुकोंदल ब्लॉक के ग्राम सुरूमदोह, दुर्गुकोंदल, कोदापखा, कोडेकुर्से, चिखली में धान खरीदी केंद्र से सामने आया है, जहाँ लैम्प्स प्रबंधक और खरीदी प्रभारी की मिलीभगत से किसानों के साथ सरेआम धोखाधड़ी की जा रही है। नियमों के मुताबिक, सरकार द्वारा प्रति बोरा बारदाना व सूक्ति मिलाकर 40 किलो 700 ग्राम धान लेने का प्रावधान है। लेकिन सुरूमदोह केंद्र में किसानों की मजबूरी का फायदा उठाते हुए उनसे प्रति बोरा 41 किलो 200 ग्राम धान लिया जा रहा है। यानी हर बोरे में सीधे तौर पर 500 ग्राम धान की चोरी की जा रही है। हजारों बोरों की खरीदी में यह 'काटा मार' का खेल लाखों रुपये के भ्रष्टाचार की ओर इशारा कर रहा है।

प्रबंधक और प्रभारी की 'जुगलबंदी' - ग्रामीणों ने सीधे तौर पर सुरूमदोह खरीदी प्रभारी बहादुर तुलावी और लैम्प्स प्रबंधक संतु पाण्डे पर मिलीभगत का आरोप लगाया है। आरोप है कि इन दोनों की शह पर ही केंद्र में तौल के दौरान हेराफेरी की जा रही है। इतना ही नहीं, भ्रष्टाचार को दबाने के लिए कुछ भोले-भाले किसानों से कोरे कागज पर प्रस्ताव तैयार करवाकर हस्ताक्षर लिए जा रहे हैं, ताकि भविष्य में अपनी चोरी को वैधानिक रूप दिया जा सके।

कोचियों से सांठगांठ और फर्जीवाड़ा : स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इस केंद्र में केवल तौल की चोरी ही नहीं हो रही, बल्कि कोचियों (बिचौलियों) के धान को भी खपाने का बड़ा खेल चल रहा है। असली किसानों के पट्टे का उपयोग कर बिचौलियों का धान ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है, जिससे वास्तविक किसानों के कोटे पर असर पड़ रहा है।

ग्रामीणों में आक्रोश, जांच की मांग : सूरुमदोह के किसानों में इस लूट को लेकर भारी नाराजगी है। किसानों का कहना है कि पसीने की कमाई पर इस तरह डाका डालना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है धान खरीदी केंद्र का तत्काल औचक निरीक्षण हो। दोषी प्रबंधक और प्रभारी पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए। किसानों से अतिरिक्त लिए गए धान का हिसाब सार्वजनिक किया जाए। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इन 'काटा मार' गिरोह पर नकेल कसता है या किसान यूँ ही लुटते रहेंगे।

खरीदी के लिए फर्जी प्रस्ताव का ले रहे सहारा : ग्रामीणों और किसानो को धोखा देने के लिए खरीदी प्रभारियों ने भोले-भाले किसानों से कोरे कागज पर हस्ताक्षर लिए। बाद में इसी कागज पर प्रस्ताव बना कर अन्य किसानो को दिखाते हुए 500 ग्राम अधिक धान लेने लगे। इस पर ना तो तारीख दर्ज है और न ही लेम्प्स के अध्यक्ष, प्रबंधक के हस्ताक्षर है और न ही गांव के किसी गणमान्य नागरिक या जनप्रतिनिधि के। भविष्य में अपनी चोरी को वैधानिक रूप दिये जाने के लिए यह पूरा खेल रचा गया। खरीदी के दौरान मौजूद किसानो से पूछने पर किसी ने भी इस प्रस्ताव के दौरान उपस्थित नहीं होने की बात कही। यह प्रस्ताव कब और किसके मौजूदगी में हुआ यह भी जाँच का विषय है। इसी प्रस्ताव का बहाना कर क्षेत्र के किसानो को ठगा जा रहा है।

कोचियों से सांठगांठ कर बाहरी धान खपा रहे : स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इस केंद्र में केवल तौल की चोरी ही नहीं हो रही, बल्कि कोचियों (बिचौलियों) के धान को भी खपाने का बड़ा खेल चल रहा है। असली किसानों के पट्टे का उपयोग कर बिचौलियों का धान ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है, जिससे वास्तविक किसानों के कोटे पर असर पड़ रहा है। क्षेत्र के किसानों में इस लूट को लेकर भारी नाराजगी है।

किसानों का कहना है कि पसीने की कमाई पर इस तरह डाका डालना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि धान खरीदी केंद्र का तत्काल औचक निरीक्षण हो तथा दोषी प्रभारीयों पर कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

राजनीतिक दलों की बैठक में एसआईआर-2026 को लेकर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

नारायणपुर। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी छत्तीसगढ़, रायपुर के निर्देशानुसार 30 दिसंबर को जिले में निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR-2026) के अंतर्गत राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में SIR-2026 के तहत नोटिस जारी करने, दावा-आपत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई तथा उपस्थित सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। बताया गया कि 01 जनवरी 2026 को जो भी भारत के नागरिक 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, अथवा जिनका नाम किसी कारणवश ड्राफ्ट मतदाता सूची में छूट गया है, वे फॉर्म-06, घोषणा पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत कर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं। बैठक में राजनीतिक दलों को साप्ताहिक प्रगति की जानकारी भी दी गई। साथ ही उनसे आग्रह किया गया कि ड्राफ्ट रोल के प्रकाशन के उपरांत उसका अवलोकन एवं परीक्षण करें तथा किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर निर्धारित प्रारूप एवं उचित माध्यम से दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर मतदाता सूची का शुद्धिकरण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर सभी नागरिकों से अपील की गई कि वे स्ढ्ढक्र 2026 की प्रक्रिया में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

आत्मसमर्पित नक्सलियों के समग्र पुनर्वास की दिशा में सशक्त पहल

नारायणपुर। कलेक्टर नम्रता जैन के निर्देशानुसार एवं जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आत्मसमर्पित नक्सलियों के सामाजिक, आर्थिक एवं व्यावसायिक पुनर्वास को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कृषि आधारित आजीविका को प्रोत्साहित करने हेतु एक 10 दिवसीय विशेष कृषि कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला दिनांक 22 से 31 दिसम्बर 2025 तक जिला परियोजना लाइवलीहूड कॉलेज, नारायणपुर (गरांजी) में स्थित पुनर्वास केन्द्र में सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुई।

धान उठाव नहीं होने से किसानों परेशान

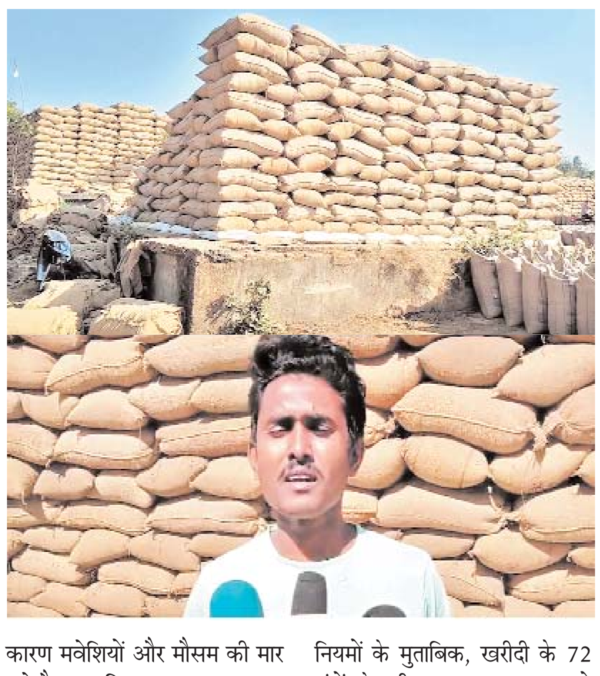

पखांजुर। परलकोट क्षेत्र में नौ सहकारी समिति करीबन 40 धान खरीदी में डेढ़ माह बाद भी केंद्रों में लगा अंबार, उठाव न होने से समिति प्रबंधक परेशान....प्रदेश में नवंबर माह से शुरू हुई धान खरीदी को लगभग डेढ़ महीना बीत चुका है, लेकिन परलकोट क्षेत्र में पखांजुर, कापसी, बांदे, गोंडाहुर,बारदा, छोटे बेटियां,कोरेनार,संगम, ऐसेबेड़ा,पी व्ही नं 26, बड़गांव आदि में करीबन 40 खरीदी केंद्रों से धान का उठाव न होना अब एक बड़ी मुसीबत बनता जा रहा है। शासन के दावों के विपरीत, मैदानी स्तर पर परिवहन की गति बेहद धीमी है, जिससे केंद्रों में धान रखने की जगह नहीं बची है।

जाम पड़े केंद्र : अव्यवस्था की स्थिति - खरीदी केंद्रों में अब तक हजारों क्विंटल धान की आवक हो चुकी है। आलम यह है कि फड़ (स्टोरेज एरिया) पूरी तरह भर चुके हैं। नए आने वाले धान को रखने के लिए समितियों को भारी मशक्कत करनी पड़ रही है। कई केंद्रों में तो धान को खुले आसमान के नीचे सड़कों के किनारे तक रखने की नौबत आ गई है।

प्रमुख समस्याएं और चिंताएं

उठाव में देरी के कारण निम्नलिखित मुख्य समस्याएँ उभर कर आ रही हैं : सुरक्षा का खतराः धान खुले में पड़ा होने के कारण मवेशियों और मौसम की मार (बेमौसम बारिश) का डर बना हुआ है।

सूखत : लंबे समय तक धान धूप में रहने के कारण उसके वजन में कमी आती है। इस 'सूखत' का खामियाजा अंततः समिति प्रबंधकों को भुगतना पड़ता है।

भुगतान और मिलिंग में देरी : धान का उठाव समय पर न होने से मिलिंग की प्रक्रिया भी प्रभावित हो रही है, जिससे पूरा चक्र सुस्त पड़ गया है।

परिवहन व्यवस्था पर सवाल : नियमों के मुताबिक, खरीदी के 72 घंटों के भीतर धान का उठाव हो जाना चाहिए। लेकिन डेढ़ महीना बीतने के बाद भी 'डीओ' कटने की प्रक्रिया और ट्रांसपोर्टरों की सुस्ती ने काम रोक रखा है। समिति प्रबंधकों का कहना है कि उच्च अधिकारियों को बार-बार सूचना देने के बावजूद ट्रक नहीं पहुंच रहे हैं।

बार दाना : अधिकतर धान खरीदी केंद्र में बारदान फटे पुराने हैं जिससे धान खरीदी में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

खनिज संपदा की लूट : जिले में रेत माफिया बेखौफ चैन माउंटेन मशीनों से नदियों का सीना चीर रहे

भानुप्रतापपुर। जिले में खनिज संपदा के अवैध दोहन का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। चारामा और दुर्गुकोंदल के बाद अब अंतागढ़ ब्लॉक में भी अवैध रेत उत्खनन का कारोबार चरम पर पहुंच गया है। ताज्जुब की बात यह है कि प्रशासन की नाक के नीचे रात के अंधेरे में चैन माउंटेन जैसी भारी मशीनों से नदियों का अस्तित्व खत्म किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे बैठे हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, दुर्गुकोंदल ब्लॉक के जाड़ेकुर्से और फुलचुर, भेलवा पानी के साथ-साथ अब अंतागढ़ ब्लॉक के कचवर और ताड़ोकी क्षेत्र अवैध रेत उत्खनन के मुख्य केंद्र बन गए हैं। यहां सूर्यास्त होते ही रेत माफिया सक्रिय हो जाते हैं। भारी भरकम मशीनों के जरिए नदी से रेत निकाली जा रही है और दर्जनों हाइवा वाहनों के माध्यम से इसे बड़े शहरों में सप्लाई किया जा रहा है।

सफेदपोशों का 'कवच' और प्रशासन की सुस्ती

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे अवैध कारोबार को सफेदपोश राजनेताओं का संरक्षण प्राप्त है। यही कारण है कि रेत माफिया बिना किसी डर के अवैध उत्खनन को अंजाम दे रहे हैं। पुलिस और खनिज विभाग की गश्त केवल कागजों तक सीमित नजर आ रही है। रात के सन्नाटे में गूंजती मशीनों की आवाज अधिकारियों के कानों तक नहीं पहुँच पा रही है, जिससे उनकी कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान लग रहे हैं।

पर्यावरण को भारी नुकसान

अंधाधुंध उत्खनन से न केवल राजस्व की हानि हो रही है, बल्कि नदियों का जलस्तर गिर रहा है और जलीय पारिस्थितिकी तंत्र पूरी तरह तबाह हो रहा है। यदि समय रहते इस पर लगाम नहीं लगाई गई, तो आने वाले समय में क्षेत्र को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

बड़ा सवाल : क्या होगी कार्रवाई?

अब जनता की नजरें जिला प्रशासन और संबंधित विभाग पर टिकी हैं। क्या प्रशासन इन रसूखदार रेत माफियाओं पर शिकंजा कसेगा या फिर 'ऊपर' के दबाव में आकर इसी तरह रेत की चोरी होने दी जाएगी? क्षेत्र के जागरूक नागरिकों ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से तत्काल इस मामले में संज्ञान लेकर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ग्रामीणों को दी गई विकसित भारत रोजगार व आजीविका मिशन ग्रामीण अधिनियम की जानकारी

कोण्डागांव। कोंडागांव विकासखंड के ग्राम पंचायत बयानार में गत दिवस विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण अधिनियम 2025 के संबंध में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया। राज्य सरकार के निर्देशानुसार एवं जिला पंचायत के सीईओ अविनाश भोई के मार्गदर्शन में आयोजित इस इन बैठकों के माध्यम से ग्रामीणों को नए कानून के प्रावधानों, इससे होने वाले लाभों और भविष्य में इसके क्रियान्वयन के तरीकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही डबरी निर्माण से आजीविका में सुधार को लेकर भी जानकारी दी गई। यह नया कानून ग्रामीण भारत में रोजगार और आजीविका को नई दिशा देने के उद्देश्य से लाया गया है, जो अब मनरेगा का स्थान लेगा। उन्होंने बताया कि इस अधिनियम की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि अब ग्रामीण परिवारों को वर्ष में 100 दिन के स्थान पर 125 दिन का रोजगार प्रदान किया जाएगा। योजना का मुख्य लक्ष्य ग्रामीण परिवारों को रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध कराकर उनका सशक्तिकरण करना है। कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए इसमें डिजिटलाइजेशन और आधुनिक टेक्नोलॉजी का व्यापक उपयोग किया जाएगा।

विशेष ग्राम सभाओं में ग्रामीणों को बताया गया कि इस अधिनियम के अंतर्गत मुख्य रूप से जल संरक्षण, भू-जल पुनर्भरण, वाटरशेड विकास, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, वनीकरण और पारंपरिक जल स्त्रोतों के जीर्णोद्धार जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

केशकाल में 11 सूत्रीय मांगों को लेकर अधिकारी-कर्मचारी फेडरेशन का तीन दिवसीय हड़ताल जारी

केशकाल। छत्तीसगढ़ कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के बैनर तले पूरे राज्य के कर्मचारी वेतन विसंगति दूर करने सहित 11 सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ के 4,50,000 सरकारी कर्मचारी ने तीन दिवसीय हड़ताल पर बैठ गए हैं। इसी क्रम में केशकाल के रावणभाठा मैदान में भी केशकाल विकासखंड के सभी विभागों के अधिकारी- कर्मचारी सोमवार से हड़ताल पर बैठे हैं। जिससे शासकीय कामकाज पर भी खासा असर पड़ता नजर आ रहा है। मंगलवार को हड़ताल के दूसरे दिन सैकड़ों की संख्या में कर्मचारियों ने धरना स्थल से आईटीआई चौक तक हाथों में बैनर पोस्टर लिए पैदल रैली निकाल कर राज्य सरकार के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। कर्मचारियों का कहना है कि अगर इसके बाद भी हमारी मांगें पूरी नहीं हुई, तो भविष्य में हम उग्र आंदोलन करेंगे।

मोदी की गारंटीयां अब तक अधूरी हैं- कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के जिला संयोजक शिवराज सिंह ठाकुर ने बताया कि सरकार बने दो वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक चुनावी घोषणा पत्र में किए गए वादों को पूरा नहीं किया गया है। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि मोदी की गारंटी के तहत रुका हुआ महंगाई भत्ता एरियर्स के रूप में नहीं दिया गया है। इसके अलावा केंद्र के समान देय तिथि से डीए देने, चार स्तरीय वेतनमान लागू करने और कैशलेस चिकित्सा सुविधा जैसे प्रमुख वादे अब तक अधूरे हैं।

फेडरेशन ने सरकार को दी चेतावनी- कर्मचारियों का कहना है कि सरकार की असंवेदनशीलता के कारण उन्हें आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। फेडरेशन संघ ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर राज्य सरकार द्वारा शीघ्र निर्णय नहीं लिया गया, तो तीन दिवसीय हड़ताल के बाद आंदोलन को अनिश्चितकालीन हड़ताल में तब्दील किया जाएगा। जिसकी पूर्ण जवाबदेही शासन प्रशासन की होगी।

ये रहे मौजूद- इस दौरान मुख्य रूप से जिला संयोजक शिवराज सिंह ठाकुर, जिला सचिव हीरा सिंह, प्रांतीय सचिव चमनलाल वर्मा, डॉ. सुरेंद्र नाग, सचिव गिरिजाशंकर साहू, श्यामलाल कोर्राम, रोशन हिरवानी, पाशा अली, रमेश नेताम समेत फेडरेशन के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

सुन्दर राज पी. द्वारा किया गया कोंडागांव जिले का वार्षिक निरीक्षण

कोण्डागांव। बस्तर रेंज पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. द्वारा जिला कोंडागांव का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान रक्षित केंद्र में परेड का निरीक्षण किया गया एवं उनके द्वारा साफ सुथरी व अच्छे टर्न आउट में उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को प्रोत्साहन स्वरूप इनाम प्रदान किया गया। जिसके पश्चात रक्षित केंद्र में दरबार लगाकर समस्त स्टाफ की परेशानियों के बारे में सुना एवं तत्काल निराकरण करने हिदायत दिया गया। दरबार के दौरान बस्तर रेंज पुलिस महानिरीक्षक महोदय के द्वारा उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को नागरिकों के प्रति संवेदनशील होने, उनकी समस्याओं को ध्यान से सुनने, एवं तत्काल निराकरण करने के साथ जनता से अच्छे व्यवहार करने की समझाइश दी गई, नागरिकों के मन में पुलिस के प्रति भय को समाप्त कर एक साफ सुथरी स्वच्छ छवि बनाने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस महानिरीक्षक महोदय द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोंडागांव एवं रक्षित केन्द्र का निरीक्षण कर साफ सफाई संबंधी आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किया। साथ ही समस्त अभिलेखों का अवलोकन किया गया, सीसीटीवी, मालखाना, सीसीटीएनएस, स्टोर आदि के रखरखाव एवं कर्तव्य के प्रति सजग रहने आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपराध नियंत्रण के संबंध में विशेष समझाइश दिया गया। जिसके पश्चात बस्तर पुलिस महानिरीक्षक महोदय ने पुनामार्गेम पुनर्वास से पुनर्जीवन पहल अंतर्गत ग्राम देवखरगांव में संचालित पुनर्वास केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केन्द्र में रह रहे पुनर्वासित व्यक्तियों से संवाद कर प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं शासकीय योजनाओं के लाभ की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने आयोजित कार्यक्रम में 35 पुनर्वासित व्यक्तियों को स्मार्टफोन एवं प्रशिक्षण किट का वितरण किया गया। बस्तर पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी. ने पुनर्वासित व्यक्तियों से चर्चा करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि हिंसा का मार्ग छोड़ चुके लोगों को कौशल प्रशिक्षण एवं विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाया जाए, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें और समाज में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बनें। उन्होंने पुनर्वासितों से आह्वान किया कि प्रशिक्षण अवधि का पूरे उत्साह और लगन के साथ उपयोग करें तथा यहां से सीखकर जीवन को बेहतर बनाने के साथ-साथ अपने गांवों तक भी पहुँचाएं। उन्होंने विकास के मार्ग को अपनाने के लिए पुनर्वासित व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

जिले के आंगनबाड़ी केन्द्र स्कूल के सभी बच्चों का हृदय रोग जांच कराना सुनिश्चित करें : कलेक्टर नम्रता जैन

नारायणपुर। साप्ताहिक समय सीमा की बैठक कलेक्टर नम्रता जैन द्वारा जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लिया गया। उन्होंने समय सीमा के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समय सीमा में शीघ्र निराकरण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। कलेक्टर ने नियद नेल्लानार के कार्यों की समीक्षा करते हुए स्वीकृत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये। कलेक्टर ने आत्म समर्पित नक्सलियों को राज्य सरकार के पुनर्वास निति योजनाओं से लाभान्वित करने तथा जिला स्तरीय अधिकारियों को अपने अपने जन्म दिवस पर आश्रम छात्रावास एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों में न्योता भोज (आओ खुशियां बांटे) के तहत् अपने जन्म दिवस मनाने प्रेरित किया। बैठक में कलेक्टर जैन ने उपस्थित अधिकारियों को सूर्य घर योजना बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रत्येक माह के तीसरे शनिवार को कार्यालयों का साफ-साफ करने के निर्देश दिए। जिले के ऐजुकेशन हब को सुरक्षित महौल तैयार करने के लिए सुरक्षा गार्ड तैनात करने निर्देशित किए। जिले के आंगनबाड़ी केन्द्रों में बैठक व्यवस्था और बर्तन खरीदी के लिए आंगनबाड़ी केन्द्रों का चिन्हांकित करने निर्देशित किया गया। जिले के बच्चों का आधार कार्ड मिशन मोड़ में बनाया जाएगा। गर्भवती माताओं का शतप्रतिशत स्वास्थ्य प्रीक्षण कराने के निर्देश दिए। गर्भवती माताओं का प्रसव डिलीवरी डेट के पूर्व जिला अस्पताल में भर्ती करने के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को दिए। कलेक्टर ने जनपद सीईओ को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों में दिव्यांगता का सर्वे सुनिश्चित करने निर्देश दिए। जिले के आंगनबाड़ी केन्द्र, स्कूलों के सभी बच्चों का हृदय रोग जांच कराने के निर्देश दिए। बस्तर पंडूम का सफल आयोजन करने जिला स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए, प्रथम चरण जनपद स्तर पर 10 से 20 जनवरी तक द्वितीय चरण जिला स्तर पर 24 से 29 जनवरी और तृतीय चरण संभाग स्तर पर 2 से 6 फरवरी तक आयोजित किए जाऐगें। बैठक में कलेक्टर जैन ने नियद नेल्लानार अंतर्गत आने वाले ग्रामों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने, शिविर लगाकर राशन, आधार, आयुष्मान कार्ड और श्रम कार्ड बनाने निर्देशित किया।

संक्षिप्त समाचार

शक्ति सदन संचालन के लिए आवेदन 19 जनवरी तक होगा

बिलासपुर। भारत सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण एवं सशक्तिकरण के उद्देश्य से एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के अंतर्गत अम्ब्रेला योजना मिशन शक्ति का आरंभ किया गया है। मिशन शक्ति की उपयोजना सामर्थ्य के अंतर्गत स्वाधार एवं उज्जवला गृह योजना को समाहित करते हुए शक्ति सदन - एकीकृत राहत एवं पुनर्वास गृह योजना का संचालन किया जा रहा है। शक्ति सदन के प्रभावी संचालन एवं सुचारू क्रियान्वयन के लिए सेवाप्रदाता नियुक्ति किया जाना है। इसके लिए पात्र आवेदकों से 19 जनवरी 2025 तक आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। पद हेतु शैक्षणिक योग्यता, नियम एवं शर्तें तथा विज्ञापन की जानकारी जिले के वेबसाइट 222.ड्ढद्बद्यड्डह्यश्चह्वह्म्.द्दश1.द्बठ्ठ पर उपलब्ध है। इसके अलावा कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, पुराना कम्पोजिट बिल्डिंग के पीछे स्थित कार्यालय, बिलासपुर के सूचना पटल का भी अवलोकन किया जा सकता है।

जिले में मोबाइल मेडिकल यूनिट का साप्ताहिक भ्रमण रोस्टर जारी

बिलासपुर। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) का साप्ताहिक भ्रमण रोस्टर जारी किया गया है। इसके तहत जिले के कोटा, मस्तूरी एवं तखतपुर विकासखंड के 21 ग्राम एवं आश्रित बसाहटों में निर्धारित दिवसों पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जारी रोस्टर के अनुसार विकासखंड कोटा के करका, उमरियादादर, आमागुड़ा, टाटीधार, नागुआ, मोहली, परसापानी, कुदर, करगीहा एवं दारसागर सहित कई ग्रामों में सोमवार से शनिवार तक अलग-अलग दिनों में मोबाइल मेडिकल यूनिट पहुंचेगी। वहीं मस्तूरी विकासखंड के जेवरा,ठाकुरपुर तथा तखतपुर विकासखंड के भीमपुरी, जनगांवरा सहित ग्रामों को भी इस योजना से जोड़ा गया है। भ्रमण के लिए जिले में तीन मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहन लगाए गए हैं, जिन्हें वाहन क्रमांक-1, 2 एवं 3 के रूप में चिन्हित किया गया है। प्रत्येक वाहन अपने निर्धारित क्षेत्र में तय दिवस पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से ग्रामीणों को नि:शुल्क जांच, परामर्श एवं दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी। इसमें सामान्य रोगों के साथ-साथ मातृ-शिशु स्वास्थ्य, एनीमिया, टीबी, मलेरिया, उच्च रक्तचाप, मधुमेह सहित अन्य बीमारियों की जांच एवं उपचार की सुविधा शामिल है।

भारतमाला परियोजना भूमि अधिग्रहण प्रकरण में दावा आपत्ति आमंत्रित

बिलासपुर। भारतमाला परियोजना अंतर्गत ग्राम ढेका को छोड़कर शेष 9 गांवों से भूमि अधिग्रहण संबंधी कोई शिकायत प्रशासन को प्राप्त नहीं हुई है। यदि इन प्रभावित गांवों के भू अधिग्रहण के संबंध में कोई व्यक्ति शिकायत अथवा दावा आपत्ति प्रस्तुत करना चाहते हैं तो 15 दिवस के भीतर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के कार्यालय बिलासपुर में प्रस्तुत कर सकते है। ग्राम ढेका में मिली गड़बड़ी के संबंध में तत्कालीन पटवारी एवं तहसीलदार के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। जिला कार्यालय के भू-अर्जन शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार शेष 9 गांवों में मूल खसरे को केवल अधिक मुआवजा प्राप्त करने के प्रयोजनों से छोटा-छोटा भू-खण्डों में विभाजन कर मुआवजा प्रकरण तैयार किया जाना नहीं पाया गया है एवं शिकायत नहीं पाई गई। भू-अर्जन, हेतु आशय पत्र प्राप्ति दिनांक के उपरांत मूल्य भूमि के हस्तांतरण बंटवारा, व्यपवर्तन, नवीन निर्माण, इत्यादि मुआवजा हेतु सम्मिलित किये जाने से संबंधित किसी प्रकार की अनियमितता एवं शिकायत नहीं पाई गई। अधिक मुआवजा प्राप्त करने हेतु पूर्व दिनांक से फर्जी नामांतरण, बंटवारा प्रकरण तैयार कर मुआवजा स्वीकृत किया जाना नहीं पाया गया है एवं इस संबंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। मुआवजा पत्रक तैयार करते समय भूमि पर स्थित सम्पत्तियों का सही विवरण प्रस्तुत किया जाना नहीं पाया गया एवं उक्त संबंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। अन्य किसी बिन्दु पर कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

हरदीबाजार के विस्थापितों के लिए उतरदा में बनेगी मॉडल टाउनशिप, 46 हेक्टेयर में विकसित होगा आधुनिक पुनर्वास स्थल

कोरबा। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के दीपका क्षेत्र द्वारा ग्राम हरदीबाजार के विस्थापित परिवारों के लिए उतरदा में एक आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं आदर्श पुनर्वास एवं पुनर्वसन टाउनशिप विकसित की जा रही है। यह टाउनशिप लगभग 46 हेक्टेयर अर्जित भूमि पर बसाई जा रही है, जिसे तकनीकी विशेषज्ञों एवं आर्किटेक्ट्स द्वारा मॉडल त-त् साइट के रूप में डिजाइन किया गया है। यह जानकारी एसईसीएल दीपका क्षेत्र के महाप्रबंधक संजय मिश्रा ने दी। उन्होंने बताया कि पुनर्वास स्थल को मुख्य सड़क नेटवर्क से जोड़ने के लिए एनटीपीसी रेलवे लाइन के समांतर लगभग 6.5 किलोमीटर लंबी एप्रोच रोड के निर्माण का प्रस्ताव है।

भूपेश बघेल के सूरजपुर दौरे में कांग्रेस की कलह उजागर

स्वागत तो हुआ,लेकिन संगठन की एकजुटता रही गायब

सूरजपुर संवाददाता। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सूरजपुर दौरा कांग्रेस के लिए शक्ति प्रदर्शन का अवसर माना जा रहा था, लेकिन यह दौरा जिले में पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी और संगठनात्मक कमजोरी को उजागर करने वाला बन गया। मंच और स्वागत स्थलों पर दिखी भीड़ के बीच कांग्रेस की एकजुटता पर बड़े सवाल खड़े हो गए। सूत्रों के अनुसार नवनियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शशि सिंह कोराम जिले के वरिष्ठ, सक्रिय और प्रभावशाली नेताओं व कार्यकर्ताओं को एकजुट करने में सफल नहीं हो पाए। यही कारण रहा कि जिले और विभिन्न ब्लॉकों के कई सीनियर नेता और अनुभवी कार्यकर्ता पूर्व मुख्यमंत्री के दौरे से दूरी बनाते नजर आए। भूपेश बघेल के आगमन पर टोल प्लाजा सूरजपुर, सिलफिली, जयनगर, पार्वतीपुर, महावीरपुर और विश्रामपुर सहित कई स्थानों पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए। बावजूद इसके, इन सभी जगहों पर कांग्रेस का एक बड़ा और प्रभावशाली धड़ा नदारद दिखाई दिया। राजनीतिक हलकों में इस गैरहाजिरी को संगठनात्मक असंतोष से जोड़कर देखा जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान यह बात भी चर्चा में रही कि

अधिकांश स्वागत स्थलों पर जोगी कांग्रेस से कांग्रेस में आए नेता ही अधिक सक्रिय और आगे दिखाई दिए। इससे यह सवाल उठने लगा कि क्या कांग्रेस अब आगामी विधानसभा चुनाव जोगी कांग्रेस से आए नेताओं के सहारे ही जीत का ख्वाब देख रही है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष शशि सिंह कोराम के पदभार संभालने के बाद से ही कांग्रेस का एक बड़ा गुट खुद को हाशिए पर महसूस करता नजर आ रहा है। वहीं कुछ गिने-चुने नेता ही सक्रिय दिखे, जो जिला व ब्लॉक कार्यकारिणी में पद पाने की उम्मीद में नए अध्यक्ष के आसपास नजर आए।

क्या नाराज गुट के बिना संभव है चुनावी जीत?

सूत्रों का कहना है कि जिले के कांग्रेस संगठन में असंतोष गहराता जा रहा है और एक बड़ा धड़ा नाराज है। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या कांग्रेस इस नाराज गुट को साथ लिए बिना आगामी विधानसभा चुनाव में सफलता हासिल कर पाएगी। चर्चा यह भी है कि नवनियुक्त जिला अध्यक्ष इस गुट को मनाने की दिशा में फिलहाल गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का सूरजपुर दौरा कांग्रेस के लिए संगठन की ताकत और एकता दिखाने का मौका था, लेकिन यह दौरा अंदरूनी खींचतान, गुटबाजी और कमजोर समन्वय को उजागर करने वाला साबित हुआ। आने वाले समय में यह स्थिति कांग्रेस के लिए कितनी बड़ी चुनौती बनेगी, यह देखने वाली बात होगी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, मुख्यालय, बिलासपुर आज में अभ्युदय स्मारक का महाप्रबंधक द्वारा अनावरण

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में आज अभ्युदय स्मारक का अनावरण महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश द्वारा किया गया । यह स्मारक उन समस्त रेल कर्मयोगियों की मेहनत, समर्पण एवं कौशल को समर्पित है, जिनके अथक प्रयासों से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है । इस अवसर पर महाप्रबंधक ने कहा कि अभ्युदय स्मारक कर्तव्यनिष्ठा, सामूहिक संकल्प एवं सतत परिश्रम का प्रतीक है । विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इस स्मारक का निर्माण वैगन रिपेयर शॉप, रायपुर तथा बिलासपुर रेल मंडल के रेल कर्मयोगियों द्वारा वेस्ट मटेरियल के नवोन्मेषी एवं रचनात्मक उपयोग से किया गया है, जो पर्यावरण संरक्षण, संसाधनों के पुन: उपयोग एवं सतत विकास के प्रति दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की प्रतिबद्धता को दर्शाता है । स्मारक के केंद्र में निर्मित ट्रेन आधुनिक,

सुरक्षित एवं तीव्र परिवहन व्यवस्था का प्रतीक है, जो बेहतर यात्री सेवाओं तथा लोगों को स्थानों और अवसरों से जोड़ने में भारतीय रेल की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाती है । इसके अग्रभाग में स्थापित गोलाकार स्टील प्लेटें मजबूती एवं औद्योगिक शक्ति का प्रतीक हैं, जबकि पृष्ठभूमि में दर्शाया गया कोयला ऊर्जा आवश्यकताओं एवं औद्योगिक विकास का संकेत देता है । स्मारक के पीछे निर्मित स्तंभ एवं ऊपर का आर्च मजबूत आधार, योजनाबद्ध विकास तथा निरंतर सुधार की भावना को दर्शाते हैं, जो प्रगति के लिए अनिवार्य हैं । वहीं स्मारक के शिखर पर स्थापित बाज शक्ति, सामर्थ्य, सतर्कता एवं देश के करोड़ों नागरिकों के बड़े सपनों का प्रतीक है, यह संदेश देता है कि विकास की उड़ान में आकाश भी सीमा नहीं है । अभ्युदय स्मारक उन सभी रेल कर्मयोगियों को समर्पित है, जिनके समर्पण एवं निष्ठा से यात्रियों एवं माल का सुरक्षित, सुगम और समयबद्ध परिवहन संभव हो पाता है । जब उनका संकल्प राष्ट्र की आवश्यकताओं से जुड़ता है, तब कोई भी लक्ष्य असाध्य नहीं रह जाता ।

स्माल गार्डनिंग से शहर सौदंर्यीकरण को मिल रहा नया लुक,जगह-जगह मुस्कुरा रहे नयनाभिराम रंग बिरंगे फूल व पौधे

- महापौर संजूदेवी राजपूत व आयुक्त आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में चैक-चैराहों, सड़कों के किनारे की गई स्माल गार्डनिंग

कोरबा। ऊर्जाधानी औद्योगिक नगरी कोरबा के शहर सौदर्यीकरण को स्माल गार्डनिंग के द्वारा मनमोहक नया लुक दिया जा रहा है, चैक-चैराहों व सड़कों के किनारे स्माल गार्डनिंग कर विभिन्न प्रजातियों के फूलदार पौधे रोपित किए गए हैं, जिन में नयनाभिराम रंग बिरंगे फूल मुस्कुरा तथा पौधे सुंदरता बिखेर रहे हैं, इनसे चैक-चैराहों की सुंदरता बढ़ रही है, वहीं लोगों की सकारात्मक प्रतिक्रियाएं भी लगातार सामने आ रही हैं, वे शहर सौदंर्यीकरण की दिशा में निगम के इस कदम की प्रशंसा कर रहे हैं। नगर पालिक निगम कोरबा के महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत एवं निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में निगम द्वारा विभिन्न चैक-चैराहों, सड़कों किनारे तथा विविध स्थानों पर स्माल गार्डनिंग की गई है। निगम द्वारा सीएसईबी चैक, सुभाष चैक, घंटाघर, अप्पू गार्डन, निगम कार्यालय साकेत, कलेक्ट्रेट एटीएम के पास, डी-1, डी-2 आवासगृह के समीप स्माल गार्डनिंग की गई हैं, इसके अंतर्गत विभिन्न थीम व डिजाईन पर विभिन्न प्रजातियों के फूलदार पौधे रोपित किए गए हैं, जिनमें रंग-बिरंगे फूल मुस्कुरा तथा स्माल पौधे सौदंर्य बिखेर रहे हैं, इससे शहर व स्थल की सुंदरता को नया लुक मिल रहा है, वहाँ से आने जाने वाले लोग अनायास ही इनसे आकर्षित हो रहे हैं। निगम का सराहनीय कदम - सुभाष ब्लाक कोरबा निवासी फितराम यादव कहते हैं कि निगम ने जगह-जगह स्माल गार्डनिंग कर फूलदार पौधे रोपित किए हैं, साकेत भवन परिसर में भी इन पौधों का रोपण किया गया है, वहाँ पर एक ओर जहाँ रंग-बिरंगे फूल मुस्कुरा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर शाम के समय वाटर फाउंटेन चलने से वहाँ पर मनोहारी दृश्य उपस्थित होता है। श्री यादव ने यह भी कहा कि वर्तमान में निगम की साफ-सफाई व्यवस्था में अच्छी कसावट लाई गई है।

पीएम जनमन योजना के तहत बिलासपुर जिले को मिली तीन मोबाइल मेडिकल यूनिट..........

- कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- दूरस्थ बैगा बसाहटों तक पहुंचेगी स्वास्थ्य सुविधा

बिलासपुर। प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान पीएम जनमन के तहत बिलासपुर जिले को स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुदृढ़ करने के लिए तीन मोबाइल मेडिकल यूनिट वाहन प्रदान किए गए हैं। इन यूनिटों का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा 31 दिसंबर 2025 को नए रायपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में किया गया। यह मोबाइल मेडिकल यूनिट विशेष रूप से जिले के दुर्गम एवं

पिछड़े बैगा विशेष ग्रामों में नियमित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित की जाएगी। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने कलेक्ट्रेट परिसर से मोबाइल मेडिकल यूनिट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्री संदीप अग्रवाल सीएमएचओ डॉ शुभा गरेवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। इस योजना के तहत दूरस्थ क्षेत्र में रहने वालों को अस्पतालों तक पहुंचने में होने वाली कठिनाइयों को दूर किया जाएगा। अब स्वास्थ्य सुविधाएं सीधे गांवों और बसाहटों तक इस माध्यम से पहुंचाई जाएंगी। जिले में पीएम जनमन योजना के अंतर्गत कुल 54 ग्राम/बसाहटों का चिन्हांकन किया गया है। इनमें विकासखंड कोटा के 45 बैगा ग्राम, विकासखंड तखतपुर के 4 बैगा ग्राम, विकासखंड मस्तूरी के 3 बैगा ग्राम तथा विकासखंड बेलगहना के 2 बैगा ग्राम शामिल हैं। इन सभी ग्रामों में स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराने हेतु जिले को यह तीन मोबाइल मेडिकल यूनिट प्रदान की गई हैं। प्रत्येक मोबाइल मेडिकल यूनिट में डॉक्टर, नर्स, लैब टेक्नीशियन एवं स्थानीय वालंटियर की तैनाती की गई है। यूनिटों के माध्यम से 25 प्रकार की जांच सुविधाएं तथा 106 प्रकार की दवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके साथ ही ये यूनिट प्रत्येक माह 15 दिन गांवों में भ्रमण कर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करेंगी, जहां आवश्यक जांच, इलाज और दवाओं का वितरण किया जाएगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य संसाधनों की कमी के कारण स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित दूरस्थ क्षेत्रों तक नियमित चिकित्सा सुविधा पहुंचाना है।

पारदर्शी धान खरीदी से किसान रंजीत डहरिया को मिला मेहनत का पूरा मूल्य

- सर्वाधिक समर्थन मूल्य की धान खरीदी बनी किसान की आर्थिक मजबूती का आधार

कोरबा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा लागू की गई सर्वाधिक समर्थन मूल्य पर धान खरीदी व्यवस्था आज किसानों के लिए भरोसे का मजबूत आधार बन चुकी है। धान उपार्जन केंद्रों में की जा रही पारदर्शी एवं त्वरित खरीदी व्यवस्था ने कृषकों के जीवन को सशक्त बनाया है। कोरबा विकासखण्ड के ग्राम गोढ़ी के निवासी किसान श्री रंजीत डहरिया पिता संतकुमार, ने इस योजना का लाभ उठाते हुए अपने परिश्रम का उचित मूल्य प्राप्त किया है। श्री डहरिया लगभग 6 एकड़ कृषि भूमि पर धान की खेती करते हैं। इस वर्ष उन्होंने सहकारी समिति नकटीखार में 102 क्विंटल धान का विक्रय किया। धान विक्रय के दौरान समिति में तौल, पंजीयन एवं भुगतान की प्रक्रिया पूरी तरह सरल, पारदर्शी और समयबद्ध रही, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। सरकार द्वारा घोषित सर्वाधिक समर्थन मूल्य'पर धान बिकने तथा समय पर भुगतान मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। श्री रंजीत डहरिया बताते हैं कि पिछले वर्ष धान विक्रय से प्राप्त राशि का उपयोग उन्होंने अपनी बहन की शादी में किया, जिससे परिवार की एक बड़ी जिम्मेदारी सहजता से पूरी हो सकी और उन्हें किसी प्रकार का कर्ज नहीं लेना पड़ा।उन्होंने कहा कि पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था से किसानों का सरकार पर भरोसा बढ़ा है। धान विक्रय के बाद राशि सीधे बैंक खाते में जमा हो जाती है, जिससे आगे की खेती की तैयारी और घरेलू आवश्यकताओं की योजना बनाना आसान हो जाता है। श्री डहरिया के अनुसार, छत्तीसगढ़ सरकार की त्वरित एवं पारदर्शी धान खरीदी नीति न केवल किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिला रही है, बल्कि उनके सपनों को साकार करने का माध्यम भी बन रही है। इस योजना से किसान अब बिना किसी चिंता के खेती कर पा रहे हैं, जिससे उनके जीवन में स्थिरता, सम्मान और खुशहाली

कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयास से नवाटोला मुख्य से घुईडिह तक लगभग 28 करोड़ रुपए की पक्की सड़क की मिलीं स्वीकृति.......

- जनप्रतिनिधियों ने बाइक पर सवार होकर सड़क का लिया जायजा
- सड़क बनने से पर्यटन स्थल की अपार संभावनाएं

सूरजपुर संवाददाता। भटगांव विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। कैबिनेट मंत्री और क्षेत्रीय विधायक लक्ष्मी राजवाड़े के सतत प्रयासों से वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए क्षेत्र में 150.56 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न सड़क निर्माण कार्यों को प्रशासनिक स्वीकृति प्राप्त हुई है। इसी क्रम में नवाटोला मुख्य मार्ग से घुईडिह तक लगभग 25 किलोमीटर अनुमानित लागत 28 करोड़ 99 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिसे कैबिनेट मंत्री प्रतिनिधि ठाकुर प्रसाद राजवाड़े ,जनपद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि राजेश तिवारी, मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण पैकरा, जिला उपाध्यक्ष शोभनाथ राजवाड़े , मण्डल उपाध्यक्ष प्रवीण गुर्जर,

बृजेश कांशी, प्रियंशु यादव व अधिकारियों ने बाइक पर सवार होकर जायजा लिया।

आजादी के बाद आज तक कोई भी विधायक मंत्री नहीं पहुंच पाया था

स्थानीय ग्रामीण बताते हैं कि बेलामी , बांकी, गढ़ईपारा जैसे क्षेत्रों में आजादी के बाद से आज तक कोई भी विधायक मंत्री नहीं पहुंचा था। लेकिन कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ही ऐसे विधायक हैं जिन्होंने ने चुनाव के समय दो साल पूर्व यहां पहुंची थीं और उन्होंने ने मूलभूत सुविधा 25 किलोमीटर सड़क निर्माण करने की घोषणा की थी। अब ऐसे में सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति मिलने से क्षेत्रवासियों में हर्ष का माहौल है। उन्होंने ने कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायक का धन्यवाद व आभार प्रकट किया है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि इस सड़क का निर्माण होने से हरिहरपुर, बेलामी, बांकी, गढ़ईपारा, घुईडिह, छतरंग जैसे क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने में सहायता मिलेगी। साथ ही आवागमन में सुविधा होगी। आम जनता को बनारस जैसे जगहों पर जाने के लिए कम दूरी तय करना पड़ेगा। इस मार्ग के बनने से गढ़ई व कागज नालों पर पर्यटन स्थल की अपार संभावनाएं व्यक्त की जा रही है। क्योंकि यह सड़क नदी के किनारे होते हुए गुजरेगी । जहां पर बहुत सारे मनमोहन दृश्य है जो मैनपाट से भी बेहतरीन नजारे है। क्योंकि ओड़गी के इस क्षेत्र को प्रकृति सौंदर्य का हृदय स्थल माना जा रहा है। इस कार्य की स्वीकृति से क्षेत्रवासियों में उत्साह है और विश्वास है कि मंत्री जी के नेतृत्व में जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने से क्षेत्र की तस्वीर बदलेगी।

घूमने फिरने के शौकीन होते हैं L अक्षर वाले

जिन लोगों का नाम अंग्रेजी के एल अक्षर से शुरू होता है, वे अधिकतर भावुक तथा दार्शनिक प्रवृति के होते हैं।

- ये सोचने-विचारने वाले होते हैं।
- इन लोगों का प्रत्येक कदम साहस से भरा, परंतु नपा-तुला होता है।
- अपने कार्यों में श्रेष्ठ सिद्ध होते हैं।
- ये स्थिर प्रकृति के होते हैं, अपने हाल में मस्त, अपनी धुन के पक्के और अपने काम में लगे रहने वाले लोग हैं ये।
- आपको न तो पीछे घूमकर देखने की फिक्र होती है, न आदत।
- साधाराण पद या काम आपको पसंद नहीं, आपको उच्च पद और गरिमापूर्ण कार्य पसंद हैं। योजनाबद्ध रूप से काम करने के कारण आपको उच्च पद की प्राप्ति होती है।
- आपको सोसाइटी से बहुत प्यार तथा सम्मान प्राप्त होता है।
- मुश्किल के समय में आपकी अंतरात्मा की आवाज़ आपकी मदद करती है।
- लोगों के दिल की बात जानने में भी यह आवाज आपकी मदद करती है।

शयन कक्ष में दर्पण

आईना जिसमें हम चेहरा देखते हैं, उसमें से एक प्रकार की ऊर्जा बाहर निकलती है। आपके घर में जिस दिशा में आईना लगा हुआ होता है, उसी के अनुसार सकारात्मक या नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

शयनकक्ष में दर्पण लगाना वर्जित है। पलंग के सामने आईना नहीं लगाएं, क्योंकि इससे पति-पत्नी के संबंधों में तनाव हो सकता हैं या पत्नी के स्वास्थ्य में भी गिरावट आ सकती है। आईना के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए उन्हें ढक कर या अलमारी के अंदर की ओर लगाएं। पलंग पर सो रहे पति-पत्नी को प्रतिबिंबित करता हुआ आईना अशुभता का कारण बन सकता है।

फेंगशुई प्रोडक्ट

ओम मणि हैंगिंग

यह बेलनाकार हैंगिंग लाल जैस्पर क्रिस्टल से बनी है। इसके ऊपर ओम मणि पद्म हम मंत्र गुदा हुआ है। इसे आसानी से लटकाने और सुंदर दिखाने के लिए हैंगिंग का आकार दिया गया है। ओम मणि पद्म हम बौद्ध धर्म का सबसे ज्यादा प्रभावी मंत्र कहा जाता है। दलाई लामा को अवलोकितेश्वरा का दूसरा अवतार माना जाता है, इसलिए उनके अनुयायी इसे सबसे ज्यादा ग्रहण करते हैं। इसे लिखकर या पत्थर पर उकेरकर प्रेयर व्हील्स के साथ लगा दिया जाता है, जिससे यह कहीं ज्यादा असरदार साबित हो। यह मंत्र कहना जितना आसान है, उतना ही यह प्रभावी भी है, क्योंकि इसमें बौद्ध धर्म की पूरी शिक्षा का निचोड़ है। इसका उच्चारण ओम, म, णि, पा, मे, हम कहते हुए व्यक्ति पूरी प्रवीणता से ध्यान केंद्रित करता है। जब बात लाल रंग के जैस्पर की हो, तो यह बेहद ही शक्तिशाली क्रिस्टल है जो दिमाग और नर्व्ज को ठंडा व सुकून में रखता है। इससे तनाव कम होता है और शांति आती है। अगर जरूरत हो तो यह आराम मिलने और घाव भरने की शक्ति को भी बेहतर बनाता है। यह क्रियाएं बढ़ाने, जल्द सोच पाने, आध्यात्मिक दृढ़ता, सोचने की शक्ति बढ़ाने और हिम्मत बढ़ाने के काम भी आता है। इसके दूसरे फायदे यह हैं कि इससे लोग दूसरों की मदद करने, ईमानदारी बरतने व शरीर को ऊर्जा देने के लिए प्रयासरत रहते हैं।

प्रत्येक देवता को एक विशेष खाद्य वस्तु पसंद है। यदि उन्हें उनकी प्रिय वस्तु अर्पित की जाए, तो वे शीघ्र इच्छा की पूर्ति करते हैं। किस देवता को कौन-सी वस्तु और किस तरह अर्पित की जाए, पढ़ें...

किस देवता को क्या पसंद?

आदि काल से ही मनुष्य अपनी इच्छाओं की पूर्ति के लिए तथा अपने उत्थान के लिए देवी-देवताओं की पूजा- अर्चना करता आया है। पूजा की सामग्री के साथसाथ महत्व है ऐसी खाद्य सामग्री का, जो किसी देवी-देवता की मनपसंद भोज्य सामग्री हो। शास्त्रों का कथन है कि देवी-देवताओं को उनकी मनपसंद खाद्य सामग्री अर्पित की जाए, तो वह प्रसन्न होकर शीघ्र ही साधक और भक्त की इच्छाओं की पूर्ति करते हैं।

जिस भक्त की जैसी इच्छा होती है, उसके मुताबिक भी देवता को सामग्री अर्पण की जाती है। शास्त्रों का यह भी कथन है कि किसी भी देवता को उससे संबंधित ग्रह के अनुरूप ही खाद्य सामग्री भेंट की जानी चाहिए। इससे विपरीत या उस देवता के शत्रु ग्रह से संबंधित सामग्री अर्पित करना ठीक नहीं माना जाता। विधिपूर्वक सामग्री अर्पित करने से सभी कार्यों की सिद्धि शीघ्र होती है। ये सामग्री भौतिक रूप से भी अर्पित की जाती है और मनस रूप से भी। शास्त्रों में हर देवी और देवताओं की प्रिय खाद्य सामग्री का विस्तार से वर्णन मिलता है। ये सामग्री किस विधि से उन्हें अर्पित की जानी चाहिए, इसका वर्णन भी मिलता है। ऐसी ही कुछ खाद्य सामग्रियां इन देवताओं की पसंद हैं-

श्री गणेश जी

इन्हें हरा रंग पसंद है। दूर्गा चढ़ाकर हाथ जोड़कर आप यदि मोढक का (यानी लड्डू) का भोग बुधवार के दिन इन्हें अर्पित करें, तो आपकी मनोकामनाओं की पूर्ति के सभी द्वार गणेश जी स्वयं खोलते हैं।

लक्ष्मी मां

अर्थ की पूर्ति, धन संपदा की प्राप्ति के लिए पूज्य मां लक्ष्मी जी की अराधना सर्वफलदायी है। इनके लिए संध्या का समय निहित किया गया है। अत: संध्या के समय कोई भी सफेद मिष्ठान इन्हें अति पसंद हैं- खीर व मिश्री को अर्पित कर आप लक्ष्मी मां को अति-शीघ्र प्रसन्न कर सकते हैं। सफेद बताशे भी इनका प्रिय भोजन है।

श्रीकृष्ण जी

हमारे ग्रंथों में श्रीकृष्ण जी को संपूर्ण कला युक्त बताया गया है। यशोदा मां द्वारा खिलाया मक्खन तथा मिश्री का योग आज भी वृंदावन में बड़े चाव के साथ ठाकुर जी को अर्पित किया जाता है। साथ ही ठाकुर जी को 56 भोग की भी परंपरा है। इसमें तुलसी दल को प्रधानता दी गई है। तुलसी दल की अनुपस्थिती में 56 भोग भी कृष्ण जी स्वीकार नहीं करते।

श्रीहनुमान जी

गुड़ तथा चने के प्रेमी माने जाते हैं। गुड़ तथा रोटी के आटे का चूरमा इन्हें विशेष रूप से पसंद है। मंगलवार को ऐसे प्रसाद की विशेष व्यवस्थता की जाती है। वैसे लड्डू भी (बूंदी के) इन्हें चढ़ाए जाते हैं।

विष्णु जी

इनके पसंदीदा खाद्य पदार्थों में पीले रंग के खाद्य पदार्थों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। कड़ी-चावल तथा केला इन्हें विशेष प्रिय है। केला खिलाकर तथा कड़ी (बिना प्याज के) का इन्हें भोग लगाकर आप लक्ष्मी पति को अपने वश में कर सकते हैं और जहां विष्णु जी प्रसन्न हों वहां लक्ष्मी मां भी प्रसन्न रहती हैं।

दुर्गा मां

मां दुर्गा शक्ति की एक मिसाल हैं। मां के रूप में इनकी वंदना तथा पूजा सर्वशक्तिमय मां से शक्ति की प्राप्ति का एक सरल उपाय है। मां को नारियल, मेवे तथा मखानों का विशेष भोग लगाया जाता है। सूखे छुआरे भी मां को पसंद हैं। अपनी कंजकों के लिए मां हल्वा-पूरी, तथा चने के भोजन की अपेक्षा करती हैं।

श्रीराम जी

श्रीराम मर्यादा पुरुषोत्तम माने जाते हैं। मर्यादा में रहकर राम राज्य की कल्पना ही मन को आनंदित करती है। रामजी को आप कुछ भी खाद्य पदार्थ बड़े प्रेम से खिलाएं, तो वह उसे स्वीकार करते हैं। रामायण में आया भी है कि शबरी के जूठे बेर भी रामजी ने प्रेम-पूर्वक स्वीकार किए हैं तथा उनकी सारी मनोकामनाएं पूर्ण की हैं।

शिव जी

इनकी पूजा-अर्चना को सबसे सरल बताया गया है। यह थोड़े में ही ख़ुश होने की प्रवृति रखते हैं। भोग-धतूरा बेल-पत्र इन्हें प्रिय है। दूध का भोग, जिसमें कुछ मीठा हो यानि ख़ीर और खांड का भोग इन्हें विशेष पसंद है। सभी खाद्य-पदार्थ इस सृष्टि में स्वयं उसी सर्वशतमान की ही देन है। मनुष्य द्वारा निर्मित कुछ भी नहीं है। फिर भी षोडोपचार पूजा विधि में उन्हीं के द्वारा बनाई गई चीज़ें, उन्हीं (भगवान को) को पुन: सप्रेम अर्पित करने का विशेष महत्व है। भौतिक युग में समय की कमी के कारण यह सभी पदार्थ आप मानसिक रूप से भी अपने इष्ट देवी-देवताओं अर्पित करके, संपूर्ण मनोकामनाओं की पूर्ति की याचना कर सकते हैं।

कैसे निकाले स्थानीय समय

जन्म कुंडली बनाने के लिए जन्मतिथि, समय एवं स्थान की आवश्यकता होती है। हमें जो समय ज्ञात है वह स्टैंडर्ड टाइम है जबकि हमें उस निश्चित स्थान के (जहां जन्म हुआ है) स्थानीय समय की आवश्यकता रहती है। ऐसी स्थिति में पहले हमें समय का परिवर्तन (शुद्ध) करना होगा। इसके लिए वेलांतर संस्कार एवं देशांतर संस्कार करने की आवश्यकता होती है। वेलांतर संस्कार हेतु वेलांतर सारिणी पंचांग तथा ज्योतिष के विभिन्न ग्रंथों में उपलब्ध हैं। उसमें निश्चित अंग्रेजी माह की तारीख एवं माह को देखकर निर्धारित मिनट-सेकंड स्टैंडर्ड टाइम में से कम या जोड़ देंगे (जैसा कि सारिणी में + या - हो)। वेलांतर संस्कार करने के पश्चात देशांतर संस्कार करना होता है। भारतीय मानक समय (स्टैंडर्ड टाइम) 82.30 डिग्री रेखांश/देशांश/तुलांश का है। इसी आधार पर पूरे देश की घड़ियां चलती है। जबकि प्रत्येक शहर का स्थानीय समय भिन्न होता है। ज्योतिषी को चाहिए कि वे जिस शहर में बालक जन्मा है उस शहर या उसके नजदीकी शहर का देशांतर ज्ञात कर लें। प्राप्त देशांतर का स्टैंडर्ड देशांतर 82.30 डिग्री से अंतर निकाल लें। प्राप्त अंतर को 4 से गुणा कर लें। प्राप्त फल को अभीष्ट समय से घटाएं/जोड़ें (यदि नियत स्थान का देशांतर 82.30 डिग्री से अधिक है तो जोड़ें, किंतु 82.30 डिग्री से कम है तो घटाएं) उदाहरण के रूप में दिनांक 1 जनवरी 2009 को प्रात: 9.40 पर बालक का जन्म उज्जैन में हुआ। वेलांतर सारिणी के अनुसार 1 जनवरी का वेलांतर -4 मिनट है। अत: वेलांतर संस्कार करने से जन्म 9.36 (9.40 - 0.4 = 9.36) हुआ। उज्जैन का देशांतर 75.50 है। इसे भारतवर्ष के स्टैंडर्ड मापक देशांतर 82.30 से कम किया (82.30 - 75.50 = 6.40) तो - 6.40 अंतर आया इसे 4 से गुणा करने पर 26 मिनट एवं 40 सेकंड आया। इसे 9.36 में से कम किया गया क्योंकि उज्जैन का देशांतर भारतवर्ष के देशांतर 82.30 से कम है। 9.36 - में से 26 मिनट 40 सेकंड कम करने से स्थानीय समय 9 बजकर 09 मिनट एवं 20 सेकंड आया। यही बालक (जातक) का शुद्ध स्थानीय समय है।

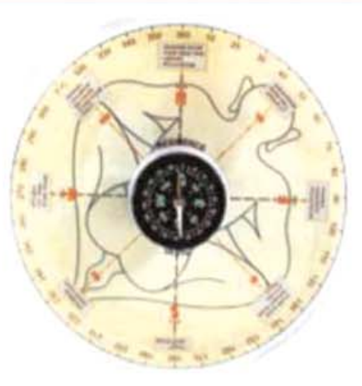

जन्म पत्रिका में शिक्षा के योग

जन्मकुंडली में जो सर्वाधिक प्रभावी ग्रह होता है सामान्यतः व्यक्ति उसी ग्रह से संबंधित कार्य-व्यवसाय करता है।

आज जीवन के हर मोड़ पर आम आदमी स्वयं को खोया हुआ महसूस करता है। विशेष रूप से वह विद्यार्थी जिसने दसवीं या बारहवीं की परीक्षा उत्तीर्ण की है, उसके सामने सबसे बड़ा संकट यह रहता है कि वह कौन से विषय का चयन करे जो उसके लिए लाभदायक हो। एक अनुभवी ज्योतिषी आपकी अच्छी मदद कर सकता है। जन्मपत्रिका में पंचम भाव से शिक्षा तथा नवम भाव से उच्च शिक्षा तथा भाग्य के बारे में विचार किया जाता है। सबसे पहले जातक की कुंडली में पंचम भाव तथा उसका स्वामी कौन है तथा पंचम भाव पर किन किन ग्रहों की दृष्टि है, ये ग्रह शुभ-अशुभ है अथवा मित्र-शत्रु, अधिमित्र हैं विचार करना चाहिए। दूसरी बात नवम भाव एवं उसका स्वामी, नवम भाव स्थित ग्रह, नवम भाव पर ग्रह दृष्टि आदि शुभाशुभ का जानना। तीसरी बात जातक का सुदर्शन चंद्र स्थित श्रेष्ठ लग्न के दशम भाव का स्वामी नवांश कुंडली में किस राशि में किन परिस्थितियों में स्थित है ज्ञात करना, तीसरी स्थिति से जातक की आय एवं आय के स्त्रोत का ज्ञान होगा।

जन्मकुंडली में जो सर्वाधिक प्रभावी ग्रह होता है सामान्यत: व्यक्ति उसी ग्रह से संबंधित कार्य-व्यवसाय करता है। यदि हमें कार्य व्यवसाय के बारे में जानकारी मिल जाती है तो शिक्षा भी उसी से संबंधित होगी। जैसे यदि जन्म कुंडली में गुरु सर्वाधिक प्रभावी है तो जातक को चिकित्सा, लेखन, शिक्षा, खाद्य पदार्थ के द्वारा आय होगी। यदि जातक को चिकित्सक योग है तो जातक जीव विज्ञान विषय लेकर चिकित्सक बनेगा। यदि पत्रिका में गुरु कमजोर है तो जातक आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक, रैकी या इनके समकक्ष ज्ञान प्राप्त करेगा। श्रेष्ठ गुरु होने पर एमबीबीएस की पढ़ाई करेगा। यदि गुरु के साथ मंगल का श्रेष्ठ योग बन रहा है तो शल्य चिकित्सक, यदि सूर्य से योग बन रहा है तो नेत्र चिकित्सा या सोनोग्राफी या इलेक्ट्रॉनिक उपकरण से संबंधित विषय की शिक्षा, यदि शुक्र है तो महिला रोग विशेषज्ञ, बुध है तो मनोरोग तथा राहु है तो हड्डी रोग विशेषज्ञ बनेगा।

चंद्र की श्रेष्ठ स्थिति में किसी विषय पर गहन अध्ययन करेगा। लेखक, कवि, श्रेष्ठ विचारक बनेगा तथा बीए, एमए कर श्रेष्ठ चिंतनशील, योजनाकार होगा। सूर्य के प्रबल होने पर इलेक्ट्रॉनिक से संबंधित शिक्षा ग्रहण करेगा। यदि मंगल अनुकूल है तो ऐसा जातक कला, भूमि, भवन, निर्माण, खदान, केमिकल आदि से संबंधित विषय शिक्षा ग्रहण करेगा। बुध प्रधान कुंडली वाले जातक बैंक, बीमा, कमीशन, वित्तीय संस्थान, वाणी से संबंधित कार्य, ज्योतिष-वैद्य, शिक्षक, वकील, सलाहकार, चार्टड अकाउंटेंट, इंजीनियर, लेखपाल आदि का कार्य करते हैं। अत: ऐसे जातक को साइंस, मैथ्स की शिक्षा ग्रहण करना चाहिए किंतु यदि बुध कमजोर हो तो वाणिज्य विषय लेना चाहिए। बुध की श्रेष्ठ स्थिति में चार्टड अकाउंटेंट की शिक्षा ग्रहण करना चाहिए। शुक्र की अनुकूलता से जातक साइंस की शिक्षा ग्रहण करेगा। शुक्र की अधिक अनुकूलता होने से जातक फैशन, सुगंधित व्यवसाय, श्रेष्ठ कलाकार तथा रत्नों से संबंधित विषय को चुनता है। शनि ग्रह प्रबंध, लौह तत्व, तेल, मशीनरी आदि विषय का कारक है। अत: ऐसे जातकों की शिक्षा में व्यवधान के साथ पूर्ण होती है। शनि के साथ बुध होने पर जातक एमबीए फाइनेंस में करेगा। यदि शनि के साथ मंगल भी कारक है तो सेना-पुलिस अथवा शौर्य से संबंधित विभाग में अधिकारी बनेगा। राहु की प्रधानता कुटिल ज्ञान को दर्शाती है। केतु-तेजी मंदी तथा अचानक आय देने वाले कार्य शेयर, तेजी मंदी के बाजार, सट्टा, प्रतियोगी क्वीज, लॉटरी आदि।

कभी-कभी एक ही ग्रह विभिन्न विषयों के सूचक होते हैं तो ऐसी स्थिति में जातक एवं ज्योतिषी दोनों ही अनिर्णय की स्थिति में आ जाते हैं। उसका सही अनुमान लगाना ज्योतिषी का कार्य है। ऐसी स्थिति में देश, काल एवं पात्र को देखकर निर्णय लेना उचित रहेगा। जैसे नवांश में बुध का स्वराशि होना ज्योतिष, वैद्य, वकील, सलाहकार का सूचक है। अब यहां जातक के पिता का व्यवसाय (स्वयं की रुचि) जिस विषय की होगी, वह उसी विषय का अध्ययन कर धनार्जन करेगा।

अशुभ नहीं है तीन

अपने रोजमर्रा के कामों में लोग अंक तीन को अशुभ मानते हैं। परंतु गहराई से विवेचन किया जाए, तो अपने गुणों के कारण अंक तीन कई शुभफल प्रदान करने वाला भी साबित होता है...

भारतीय दर्शन एवं आध्यात्म तथा सांस्कृतिक मान्यताओं के अनुसार अंक भी शुभ और अशुभ माने जाते हैं। सामान्यतया सम अंक शुभ और और विषम अंक अशुभ माने जाते हैं। जहां तक अशुभ अंको का प्रश्न है, तो सबसे ज़्यादा अशुभ अंक माना जाता है 'तीन'। इसीलिए किसी भी शुभ कार्य में 'तीन' से बचा जाता है। उदाहरण के तौर पर शुभ कार्य करने के लिए जाते समय एक साथ तीन लोग नहीं जाते। भोजन खिलाते समय एक साथ तीन रोटियां, पूरियां थाली में रखना अशुभ माना जाता है आदि।

वैसे तो तेरह का अंक भी अशुभ स्वीकारा जाता है। पर तीन के अंक की अशुभता तो सर्वस्वीकार्य है। इसीलिए सभी तीन से बचने की कोशिश करते हैं। कहने का आश्य यह है कि तीन के अंक को व्यापकता और सुनिश्चितता के साथ अशुभ, अमंगलकारी और अहितकारी माना जाता है। परंतु यथार्थ यह है कि तीन का अंक हर्गिज़ अशुभ नहीं है। ऐसा क्यों? ऐसा इसलिए क्योंकि तीन के अंक को अशुभ न मानने एव हानिकारक न स्वीकारने के मूल में अनेक कारण एवं तर्क विद्यमान हैं।

पहला तर्क यह है कि इसे संपूर्ण सृष्टि के संचालक ब्रह्मा, विष्णु और महेश अर्थात् तीन देव ही हैं। इस प्रकार संपूर्ण संसार का संचालन जब तीन शक्तियों के हाथ में है, तब ऐसी स्थिति में तीन का अंक अशुभ कैसे हो सकता है? इसी प्रकार लक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा, ये तीन देवी शक्तियां ही क्रमश: धन, विद्या व शारीरिक बल की स्वामिनी हैं। इन्हीं तीन देवियों से सामथ्यों की रचना हुई है। अत: जब तीन देवियों का इतना महत्व है, तो फिर तीन का अंक अशुभ एवं अमंगल का सूचक कैसे हो गया?

इसी प्रकार शिव त्रिनेत्रधारी हैं। उनका त्रिशूल भी तीन लोक वाला होता है। ॐ शब्द भी तीन अक्षरों के मेल से बना है। राम, लक्ष्मण सीता भी तीन ही थे, जबकि उनका वनगमन धर्म, सत्य, न्याय, मर्यादा, मानवता सभी के लिए कल्याणकारी सिद्ध हुआ था। ग्रहों की कुल संख्या नौ होती है। नक्षत्रों की संख्या 27 अर्थात् नौ गुणा तीन होती है। मौसम भी तीन होते हैं सर्दी, गर्मी, वर्षा और इन सबकी क्या और कितनी महत्ता है, यह किसी से छिपा नहीं है। ब्रह्मांड के तीन प्रमुख अवयवों सूर्य, चंद्रमा और तारे भी तीन वर्गों में पार्थिव देवता, अंतरिक्ष के देवता एवं आकाश के देवता में विभाजित किया जाता है। इस प्रकार यह स्पष्ट हो जाता है कि तीन का अंक किसी भी प्रकार से अशुभ एवं अमंगल का सूचक नहीं है, बल्कि यह अधिकांश अंकों में शुभ एवं मंगल का सूचक प्रतीत होता है।

शत्रु-मित्र-अंक

किसी भी महीने की 1, 10, 19 व 28 तारीख को जन्म लेने वालों का मूलांक एक होता है। इस मूलांक वालों का स्वामी ग्रह सूर्य है। मूलांक एक वाले व्यक्तियों की मित्रता 2 एवं 7 अंक वालों से अधिक होती है क्योंकि यह मित्र अतिमित्र अंक हैं। 5, 3, 9 एवं 4 अंक वाले इनके साथ समभाव रखते हैं। मूलांक एक वालों की मित्रता 6 एवं 8 अंक वालों से नहीं हो पाती, क्योंकि इनके लिए यह शत्रु एवं अतिशत्रु अंक हैं।

शासकीय अवकाशों के साथ हिन्दू नववर्ष, पर्व-त्योहारों एवं धार्मिक तिथियों की विस्तृत जानकारी

लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस.आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज दुर्ग का वार्षिक कैलेंडर जारी

केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव

प्रीतपाल बेलचंदन, अध्यक्ष जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक दुर्ग

दुर्ग। लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस.आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज दुर्ग द्वारा नववर्ष के अवसर पर वार्षिक कैलेंडर का विमोचन किया गया। यह कैलेंडर शासकीय अवकाशों के साथ-साथ हिन्दू नववर्ष, पर्व-त्योहारों एवं धार्मिक तिथियों की विस्तृत जानकारी समेटे हुए है, जिससे आमजन को वर्ष भर उपयोगी मार्गदर्शन मिलेगा।

कैलेंडर की विशेषता यह है कि इसमें प्रतिमाह सभी राशियों का फलादेश भी शामिल किया गया है, जिससे ज्योतिषीय दृष्टि से भी यह लोगों के लिए लाभकारी सिद्ध हो रहा है। यही कारण है कि छोटे-बड़े सभी प्रतिष्ठानों में इस कैलेंडर की मांग लगातार बढ़ रही है।

गुरुवार को लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप की टीम ने केबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव एवं जिला सहकारी केंद्रीय बैंक दुर्ग के अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन से भेंट कर उन्हें नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और कैलेंडर की प्रति भेंट की। इसके साथ ही मंत्री, विधायक एवं प्रशासनिक कार्यालयों में भी कैलेंडर पहुंचाया गया।

इसी क्रम में लोकतंत्र प्रहरी एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप तथा एस.आर. हॉस्पिटल एंड कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी ने अपने साथियों के साथ दुर्ग जिले के पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा से मुलाकात कर नववर्ष की बधाई दी और कैलेंडर की प्रतियां सौंपीं।

दुर्ग जिले के पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल ने लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप की इस पहल की सराहना करते हुए पूरी टीम को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और जनहित में किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर कमल किशोर शर्मा एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस. आर. हॉस्पिटल एवं कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी व ओम नमः शिवाय व अन्य पुलिस अधिकारी गण उपस्थित थे।

ना डिस्को, ना क्लब.. नए साल का स्वागत बाबा श्याम के संग

सत्तीचौरा में मधुर भजनों के साथ पुराने साल की बिदाई एवं नये साल का स्वागत

दुर्ग। नये साल की पूर्व रात्रि पर जब पूरा देश जश्न में डूबा था तब छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी दुर्ग के सत्तीचौरा में नव वर्ष की पूर्व संध्या से लेकर देर रात्रि तक श्याम बाबा का भजन संध्या का आयोजन किया गया। नगर के सत्तीचौरा में आयोजित इस कार्यक्रम का शीर्षक न डिस्को जायेंगे ना होटल जाएंगे,
नया साल सांवरिया, तेरे दर पे बिताएंगे रखा गया, जिसमें गंजपत सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी एवं धर्मप्रेमी शामिल हुए

आयोजक समिति के मोहित पुरोहित एवं रिषि गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक मयूर मयंक बिंदल डोंगरगढ़ द्वारा हारे का तू है सहारा, साथी हमारा कौन बनेगा और जी कर रहा है आप पे ये जान वार दु जैसे विभिन्न भजन प्रस्तुत किया, जिस पर श्रद्धालु तालियों और जयकारों के साथ झूम उठे। भजन गायिका ट्रिंकल खेमुका आज नहीं तो कब नाचोगे, मच गया शोर सारी नगरी में और विशेष रूप से महिलाओं के लिए गरबा के मधुर भजन गए उन्होंने भजन गाकर भक्तों को भावविभोर कर दिया। भजन संध्या में प्रसिद्ध म्यूजिशियन निर्मल म्यूजिकल ग्रुप में बहुत सुंदर एवं मधुर संगीत की प्रस्तुति दी गयी गंजपारा प्रीमियर लीग सीजन 2 द्वारा 31 दिसंबर की रात पुराने वर्ष की बिदाई एवं नववर्ष के स्वागत में भजन संध्या का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में गंजपारा वार्ड पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता द्वारा इस कार्यक्रम में वार्ड की आंगनबाड़ी की सहायिका एवं वार्ड की मितानिन दीदियों का सम्मान किया गया, पार्षद द्वारा सभी सहायिकाओं एवं मितानिनियों को शादी, बैग एवं मिष्ठान देकर सम्मानित किया गए, कार्यक्रम में सुश्री पायल जैन समाज सेविका एवं पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता अतिथि थी, कार्यक्रम का संचालन एवं आभार व्यक्त जन समर्पण सेवा संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने किया

कार्यक्रम सर्वप्रथम समस्त कलाकारों एवं अतिथियों को बाबा श्याम जी का दुप्पटा पहनाकर स्वागत किया गया, कार्यक्रम पायल जैन समाज सेविका एवं राहुल शर्मा का सम्मान किया गया कार्यक्रम के पश्चात सभी भक्तों के लिए प्रसाद स्वरूप भोजन की व्यवस्था की गई थी

कार्यक्रम में अजय शर्मा दीपक चावड़ा राजेश शर्मा मनीष दुबे सुरेश गुप्ता गोपाल शर्मा पिंकी गुप्ता मनोज गुप्ता विवेक मिश्रा बिरदी सोनी हितेश शर्मा दिनेश शर्मा राजेश शर्मा मनोज शर्मा राहुल शर्मा ईशान शर्मा सुंदर लाल गुप्ता सूर्यमणि मिश्रा आशीष सोनी प्रकाश सिन्हा मनीष सेन हर्षद पारख सोंटी गुप्ता सुजल शर्मा सुयश गुप्ता नमन खंडेलवाल वाशु शर्मा रितेश सेन वेदांत शर्मा वंश पांडेय महिलाओं में सरिता शर्मा नीलू पंडा चंचल शर्मा किरण सेन मोना शर्मा संध्या वर्मा आभा शर्मा कुलेश्वरी जायसवाल रूपल गुप्ता प्रज्ञा शर्मा पुष्पा रूंगटा लक्ष्मी शर्मा माया गुप्ता बबली शर्मा एवं श्याम भक्त सैकड़ों महिलाएं पुरुष और आयोजक समिति के सदस्य उपस्थित हुए..

लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस.आर. हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज दुर्ग का कैलेंडर जारी

दुर्ग जिले के पुलिस कप्तान विजय अग्रवाल ने की प्रशंसा,टीम को दी नव वर्ष की बधाई

दुर्ग : लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस.आर. हॉस्पिटल एण्ड कॉलेज दुर्ग के संयुक्त वार्षिक कैलेंडर का विमोचन दुर्ग जिले के पुलिस कप्तान श्री विजय अग्रवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर दुर्ग जिले के पुलिस अधीक्षक श्री विजय अग्रवाल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने लोकतंत्र प्रहरी की टीम को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी।

साथ ही हॉस्पिटल एवं कॉलेज को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की । इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर कमल किशोर शर्मा एवं लोकतंत्र प्रहरी एवं लोकतंत्र प्रहरी मीडिया ग्रुप एवं एस. आर. हॉस्पिटल एवं कॉलेज के चेयरमैन संजय तिवारी व ओम नमः शिवाय व अन्य पुलिस अधिकारी गण उपस्थित थे।

11 सूत्रीय मांगों के त्वरित निराकरण हेतु प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री नाम का कलेक्टर बेमेतरा को ज्ञापन

बेमेतरा । जिला कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने प्रदेश के शासकीय सेवकों को देय तिथि से महंगाई भत्ता, लंबित एरियर्स सहित अन्य ज्वलंत 11 सूत्रीय मांगों का त्वरित निराकरण करने हेतु माननीय प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव छ.ग. शासन के नाम पर कलेक्टर बेमेतरा को सौंपा ज्ञापन गया। फेडरेशन के जिला संयोजक अश्वनी बेनर्जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कर्मचारी, अधिकारी फेडरेशन के प्रथम चरण आंदोलन 16 जुलाई 2025 एवं 22 अगस्त 2025 को जिला कलेक्टरों के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री एवं मुख्यसचिव छत्तीसगढ़ शासन के नाम पर ज्ञापन सौंपकर फेडरेशन के 11 सूत्रीय मांगों से अवगत कराया गया था। तथा समय समय पर आंदोलन के माध्यम से लगातार शासन प्रशासन से पत्राचार किया जा रहा है। किन्तु राज्य सरकार द्वारा अब तक हमारी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक विचार नहीं किया जा रहा है। खेद सहित फेडरेशन के कर्मचारी, अधिकारियों में राज्य सरकार के प्रति असंतोष जाहिर करते हुए काफी आक्रोषित हैं। आज जयस्तम्भ चौक धरना स्थल में बेमेतरा जिले के फेडरेशन से सम्बद्ध जिले के विभिन्न संगठनों के कर्मचारी, अधिकारियों द्वारा निश्चित कालीन (दिनाँक 29,30,31 दिसम्बर) 03 दिवसीय धरना प्रदर्शन का तृतीय दिन धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन में शामिल विभिन्न कर्मचारी, अधिकारी संगठनों के वक्ताओं द्वारा सरकार को कोसते हुए चेताने का प्रयास किया गया। फेडरेशन के महासचिव जिला संयोजक अश्वनी बनर्जी ने कहा कि सरकार यदि हमारी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं करती है, तो भविष्य में हम अनिश्चित कालीन कलम बंद आंदोलन में जाने को बाध्य होंगे, जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की ही होगी। उन्होंने कहा कि जिले के आम जनता व किसानों को हुई परेशानी के लिए हम क्षमा चाहते हैं, जो हमारे धरना प्रदर्शन के कारण उन्हें हुई। इस प्रकार आज तृतीय एवं अंतिम दिवस का धरना प्रदर्शन एवं समापन सफल रहा। आज अंतिम दिवस के धरना प्रदर्शन में शिक्षक ईश्वरी प्रसाद घृतलहरे और रामकुमार टंडन के द्वारा सुंदर गीत संगीत के माध्यम से भी हड़तालियों का उत्साह वर्धन करने के साथ साथ सरकार को चेताने का भी कार्य किया गया।

महात्मा गांधी विश्व विश्वविद्यालय में खेल सम्मेलन 2025-26 का शुभारंभ, 02 जनवरी को होगा समापान

अम्लेश्वर। दुर्ग जिला अंतर्गत महात्मा गांधी उद्यानिकी एवं उनकी विश्वविद्यालय सांकरा पाटन में विश्व विश्वविद्यालय खेल सम्मेलन 2025/26 का आयोजन हर्ष उल्लास के साथ किया है। प्रतियोगिता 02 जनवरी तक चलेगा।जिसका शुभारंभ आज 31 दिसंबर को दुर्ग लोकसभा के लोकप्रिय सांसद विजय बघेल के मुख्य अतिथि में संपन्न हुआ।सर्व प्रथम सम्मानित अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती और छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा अर्चना कर द्वीप प्रज्वलित कर अंतर क्षेत्रीय खेल कूद प्रतियोगित का शुभारंभ किया गया। आपको बता दें अतिथियों की उपस्थिति में सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया गया। बच्चों के द्वारा सलामी दी गई।इस गौरवपूर्ण अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विजय बघेल सांसद दुर्ग। विशिष्ट अतिथि के रूप में दिलीप वासनिकर सेवानिवृत आईएएस आयुक्त विभागीय जांच छत्तीसगढ़ शासन, रवि सिंगौर सरपंच ग्राम पंचायत सांकरा,पूर्व जिला पंचायत सदस्य हर्षा लोकमनी चंद्राकर,मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर,नहर पालिका अध्यक्ष दयानन्द सोनकर,पूर्व मंडल अध्यक्ष लोकमनी चंद्राकर रहे। कार्यक्रम के अध्यक्षता प्रो. आर आर सक्सेना कुलपति महात्मा गांधी उद्यान की एवं वानिकी विश्वविद्यालय दुर्ग ने किया।
स्वागत सम्मान डॉक्टर सेवन दास खूंटे कीड़ा आधिकारी ,डॉ अमित दीक्षित अधिष्ठाता छात्र कल्याण ने किया । कार्यक्रम का संचालन डॉ नारायन साहू और डॉ सोनल तिवारी ने किया। सासंद ने खेल सम्मलेन को संबोधित करते हुए कहा कि मैं भी एक खिलाड़ी रहा हूं सब बच्चे खेल भावना से खेले। खेलो इंडिया माननीय प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी का विजन है।
अभी हाल में सासंद खेल महोत्सव का आयोजन गांव से लेकर विधान स्तर तक किया गया है। कार्यक्रम के अंत में सासंद को भगवान श्री राम की प्रतीकात्मक मूर्ति भेंट किया गया साथ ही सभी अतिथियों को साल प्रतीक चिन्ह भेंट कर महाविद्यालय स्टाप के द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महामंत्री कैलास यादव, सरपंच मोहन लोधी, राजू सोनकर,तुला राम सिंगौर, छोटू राम यादव, प्रदीप लोधी, विकेक कौशिक, हितेश साहू,पुनीत पटेल, तिहारू बघेल कामता प्रसाद सिंगौर, मुकुंद विश्वकर्मा सहित विश्व विद्यालय के सामस्त स्टॉप मौजुद रहे।

राम कथा वाचक मंदाकिनी दीदी पहुंची पाहंदा(अ), 02,03 एवं 04 जनवरी को श्री राम कथा की बहेगी अविरल धारा

अम्लेश्वर। श्री आदर्श मानस मंडली और समस्त ग्रामवासी पाहंदा (अ) के तत्वधान में संगीत मय श्री राम कथा महोत्सव का आयोजन 02,03 एवं 04 जनवरी 2026 को किया जा रहा है। आपको बता दें श्री हनुमान मंदिर प्रंगण बाजार चौक पाहंदा में होने वाले संगीत मय श्री राम कथा महोत्सव के अयोजन की तैयारी राम भक्तो के द्वारा किया जा रहा है। श्री राम कथा महोत्सव में कथा वाचक परम पूज्य दीदी मां मंदाकिनी श्री राम किंकर जी होंगे। श्री राम कथा महोत्सव के कथा वाचक के आगमन पावन ग्राम पाहंदा में आज हो गई है।दीदी मां मंदाकिनी ग्राम पहुंचते ही सर्वप्रथम हनुमान जी महाराज की पूजा अर्चना कर आयोजक समिति के सदस्यों से भेंट मुलाकात किया। मौके पर जिला साहू संघ दुर्ग के अध्यक्ष नंदलाल साहू, तहसील साहू संघ पाटन के संगठन सचिव सुरेंद्र साहू, कृष्णा साहू,आयोजक समिति से चेतन लाल देवांगन, राजेन्द्र साहू , मानसिंह पटेल,सहित अन्य राम भक्त मौजुद रहे।

मदकू दीप महोत्सव छेरछेरा पुन्नी 3 जनवरी मड़ाई 4 जनवरी को

ईसाई धर्म का भी होता कार्यक्रम

यहां केवल हिंदुओं का ही कार्यक्रम नहीं होता बल्कि ईसाई समाज का भी कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किया जाता है विशेष कर 25 दिसंबर को यहां पर भव्य कार्यक्रम ईसाई समाज के द्वारा आयोजित किया जाता है जिसमें दूर-दूर से लोग यहां पर आते हैं।

बेमेतरा। मदकू मेला महोत्सव ठाकुर श्री रघुवर सिंह मदकू मालगुजार एवं वृंदा बाई कोटमी की स्मृति में पर्यटन स्थल मदकू दीप में आयोजित किया गया है जहां पर 26 दिसंबर से मेला प्रारंभ हो गया है वही छेरछेरा पुन्नी 3 जनवरी को है तथा 4 जनवरी को मड़ाई का कार्यक्रम रखा गया है यहां पर रामायण गान प्रवचन संध्या 3:00 बजे से रात 7:00 बजे तक रहेगा जहां शिव महापुराण प्रवचन पंडित रवि पाठक के द्वारा भी किया जाएगा वर्तमान में यहां विभिन्न देवी देवताओं की मंदिर बनी हुई है जिसमें अष्टभुजी गणेश भगवान लक्ष्मी नारायण राधा कृष्ण जी सीताराम हनुमान जी के मंदिर विशेष रूप से उल्लेखनीय है साथ ही विभिन्न देवी देवताओं के मंदिर भव्यता के साथ बनाई गई है।

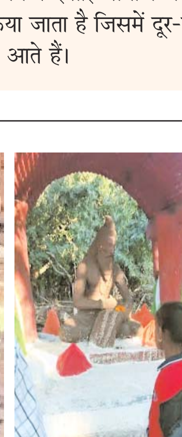

मदकू दीप में पुरातात्विक उत्खनन, से एक ही वेदी पर 18 मंदिर मिले

मदकू दीप में सन् 2011 में पुरातात्विक उत्खनन से एक ही वेदी पर 18 मंदिर मिले जिसमें 12 में स्मार्त लिंग है शेष में उमा महेश्वर गरुड़ारुढ़ लक्ष्मी नारायण जी शिवलिंग श्री गणेश जी एवं महिषासुर मर्दनी की सुंदर प्रतिमा प्राप्त हुई है पुरातत्व विदों के अनुसार सभी मंदिर दसवीं एवं 11वीं शताब्दी के हैं अभी तक विश्व का प्राचीनतम एवं भारत में एकमेव स्मार्त लिंग का दर्शन मदकू दीप में मिलता है मदकू दीप में शिवनाथ उत्तर वाहिनी है और अपने स्वयं की तीन धारा बनाकर संगम पश्चात ईशान कोण में 28 अंश मूड़ते हुए पूर्व दिशा में शिवरीनारायण में महानदी में मिलती है अतः यह स्थल प्रयाग अयोध्या काशी चित्रकूट नासिक वैद्यनाथ और राजीव के समान ही महत्वपूर्ण तीर्थ के रूप में माना जाता है।

70 एकड़ द्वीप में अपनी विशिष्ट जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध

शिवनाथ नदी के मध्य स्थित 70 एकड़ के अद्वितीय नदी द्वीप में अपनी विशिष्ट जीव विविधता के लिए भी प्रसिद्ध है पूरे दीप क्षेत्र में विभिन्न प्रजाति के वनस्पति जैसे अकोल,सिरहुट, वरुण, केवटी जड़ी, सिद्धिदात्री (शतावरी), ओखत, पुत्र जीवा, कुटज, कारि, इंद्रजौ, धनबहेर, कोरिया, पाश, विष्णु जीरा का आदि औषधि एवं दुर्लभ प्रजाति के पेड़ पौधे हैं उपरोक्त पेड़ पौधे दीप क्षेत्र के भीतर तो पाए जाते हैं किंतु दीप क्षेत्र के बाहर नहीं मिलते दीप क्षेत्र में बाबुल पलाश जैसे स्थानीय पेड़ पौधे नहीं पाए जाते यह दीप की एक वानस्पतिक विशेषता है जिसे संरक्षित एवं विकसित करने की आवश्यकता है

मदकू दीप नाम क्यों पड़ा

इस दीप का नाम प्राचीन नाम मांडूक्य दीप था जो कि वर्तमान में मदकू दीप कहलाता है क्योंकि मंडुक्य ऋषि ने यहीं पर मंडूकोपनिषद् की रचना की थी इस उपनिषद के तीन एक छह तीसरे अध्याय में प्रथम मुंडक छठवें श्लोक में सत्य मेव जयते का उद्घोष हुआ था जो भारत का राष्ट्रीय वाक्य है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com